हिन्दी दैनिक

आर.एन.आई.नं.:-UPHIN/2005/16132

उपभोक्ता की दुनिया

श्रावस्ती से प्रकाशित

वर्ष : 21 अंक : 21 | श्रावस्ती, शुक्रवार 27 जून 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रूपया

भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में रचा इतिहास

नई दिल्ली (जऐन्सी)। फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होने के अट्ठाईस घंटे बाद ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने इतिहास रच दिया। वे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुँचने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बन गए, क्योंकि गुरुवार को Axiom-4 (Ax-4) मिशन सफलतापूर्वक ऑर्बिटिंग प्रयोगशाला से जुड़ गया। यह मील का पत्थर भारत के लिए मानव अंतरिक्ष यान में विजयी वापसी का प्रतीक है, जो 1984 में राकेश शर्मा के अग्रणी मिशन के 41 साल बाद आया है। डॉकिंग से पहले, ड्रैगन अंतरिक्ष यान को आईएसएस के साथ अपनी कक्षा को सावधानीपूर्वक सिंक्रोनाइज करना था, जिससे स्थिति और गति दोनों का मिलान हो सके। इस जटिल प्रक्रिया को रेंडेजवस के रूप में जाना जाता है, इसके बाद कैप्सूल को स्टेशन के साथ संरेखित करने और कनेक्ट करने के लिए अत्यधिक सटीक युद्धाभ्यास का क्रम होता है। सबसे पहले, एक श्सॉफ्ट कैप्चरश की पुष्टि की गई, जो एक लचीले प्रारंभिक संपर्क का संकेत देता है जिसने अंतरिक्ष यान की गतिज ऊर्जा को सुरक्षित रूप से अवशोषित किया।

अमरनाथ यात्रा पंजीकरण में आई गिरावट

जम्मू–कश्मीर (जऐन्सी)। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर इस साल अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों के पंजीकरण में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। सिन्हा ने राजभवन में संवाददाताओं से कहा कि 22 अप्रैल की घटना से पहले तीर्थयात्रियों का पंजीकरण अच्छी गति से चल रहा था, लेकिन उसके बाद पंजीकरण में कमी आई। पिछले साल की तुलना में पंजीकरण में 10.19 प्रतिशत की गिरावट आई है। उपराज्यपाल ने कहा कि पहलगाम क्षेत्र के बैसरन में हुए हमले से पहले करीब 2.36 लाख तीर्थयात्रियों ने यात्रा के लिए पंजीकरण कराया था। हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। उन्होंने कहा, ष्जम्मू–कश्मीर प्रशासन और सुरक्षा बलों द्वारा उठाए गए कदमों के कारण तीर्थयात्रियों में विश्वास लौट रहा है।

बिक्रम मजीठिया 7 दिन की रिमांड पर

पंजाब (एजेंन्सी)। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के नेता और पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को मोहाली जिला अदालत ने सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। गुरुवार को उन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच विजिलेंस ब्यूरो ने अदालत में पेश किया। मजीठिया की गिरफ्तारी के बाद से ही अकाली दल के कार्यकर्ता विरोध ा प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए अदालत परिसर के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

मजीठिया की 7 दिन की पुलिस हिरासत पर पंजाब आप अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने कहा कि अदालत ने भी माना है कि आगे की जांच की जरूरत है। पंजाब सरकार और विजिलेंस विभाग ने पूरे तथ्यों के साथ मामले को अदालत में उठाया। नशे की वजह से अपने बच्चों को खोने वालों को न्याय मिले.।

राहुल गांधी पर प्रशांत किशोर का वार

बिहार (एजेन्सी)। बिहार चुनाव को लेकर सियासत तेज है। प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी भी जोरों–शोरों से चुनाव प्रचार कर रही है। प्रशांत किशोर भी लगातार अपने विरोधियों पर जमकर निशाना साध रहे है। वहीं, एएनआई से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि क्या राहुल गांधी ने बिहार के किसी गांव में एक रात भी बिताई है? वो दिल्ली में बैठकर बिहारियों का मजाक उड़ाते हैं और फिर यहां आकर हमें उपदेश देते हैं। प्रशांत किशोर ने दावा किया कि सीएम बनने के बाद रेखंत रेड्डी ने कहा था कि मजदूर करना बिहारियों के डीएनए में है... वो कहते हैं कि बिहारी मजदूरी करने के लिए पैदा हुए हैं और फिर बिहार में आकर उन्हें उपदेश देते हैं?

सीईएल में विधि-विधान से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया ग्रीन डाटा सेंटर के लिए भूमि पूजन, रखी आधारशिला

गाजियाबाद (एजेन्सी)। सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) के 51वें स्थापना दिवस के मौके पर गुरुवार को पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीईएल में बनने वाले ग्रीन डाटा सेंटर के लिए विधि–विधान से पूजा कर भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद में डाटा सेंटर की आधारशिला रखी। इसके बाद सीईएल के अध्यक्ष चेतन प्रकाश जैन ने डाटा सेंटर की मॉडल को दिखाते हुए उसकी विशेषताओं और बारीकियों के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी। कार्यक्रम स्थल से निकलने के बाद मुख्यमंत्री ने सीईएल परिसर में अशोक के पौधे का रोपण किया और फिर सीईएल में लगी उपकरण प्रदर्शनी का भी जायजा लिया। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, केबिनेट मंत्री सुनील शर्मा व भाजपा के अन्य नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अत्याधुनिक डाटा स्टोरेज सेंटर (डाटा सेंटर) के उद्घाटन कार्यक्रम में कहा, श्प्रधानमंत्री मोदी ने सभी भारतीयों को 2047 का लक्ष्य दिया कि जब भारत आजादी का शताब्दी वर्ष मना रहा होगा, तब हम कैसा भारत चाहते हैं, भारत कैसा होगा। भारत लाचार भारत न हो, भारत दुनिया के सामने अभावग्रस्त न हो, भारत आत्मनिर्भर हो, विकसित भारत हो और विकसित भारत का रास्ता इस प्रकार के संस्थानों से होकर जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 8 वर्ष पहले जहां लोग यूपी में निवेश नहीं करना चाहते थे वर्तमान में हर कोई यहां निवेश करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में उद्यमियों ने यूपी में 50 लाख करोड़ का निवेश किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज औद्योगिक क्षेत्र साइट चार में सेंट्रल इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (सीईएल) के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने वह डाटा सेंटर का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हवन किया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह व उप्र के मंत्री सुनील कुमार शर्मा भी मौजूद रहे। इसके बाद वह इंदिरापुरम स्थित कैलास मानसरोवर भवन पहुंचेंगे। यहां वह अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विमान सुबह करीब सवा 11 बजे हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर उतरा। इसके बाद वह सड़क मार्ग द्वारा मोहन नगर, वसुंधरा रेड लाइट और साइट चार होते हुए सीईएल पहुंचे। यहां करीब दो घंटे रहने के बाद वह इंदिरापुरम कैलास मानसरोव भवन के लिए रवाना हुए। यहां से वह वसुंधरा होते हुए सीआइएसएफ रोड से कैलास भवन जायेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के चलते गाजियाबाद में रूट डायवर्जन प्लान भी किया गया। जिस मार्ग से मुख्यमंत्री निकलेंगे वहां के संपर्क मार्गों पर यातायात कुछ देर पहले से रोका गया और उनके काफिले के निकले के बाद यातायात दोबारा शुरू कर दिया। सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) के 51वें स्थापना दिवस के मौके पर गुरुवार को पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीईएल में बनने वाले ग्रीन डाटा सेंटर के लिए विधि–विधान से पूजा कर भूमि पूजन किया। इसके बाद सीईएल के अध्यक्ष चेतन प्रकाश जैन ने डाटा सेंटर की मॉडल को दिखाते हुए उसकी विशेषताओं और बारीकियों के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी।

चाहे कमाती है पत्नी फिर भी, गुजारा भत्ते पर हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी

मुंबई (एजेन्सी) बंबई उच्च न्यायालय ने एक फैसले में कहा है कि एक महिला को अलग रह रहे अपने पति से मिलने वाली वित्तीय सहायता से सिर्फ इसलिए वंचित नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह कमाती है। न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ ने 18 जून के आदेश में कहा कि पत्नी उसी जीवन स्तर की हकदार है, जिस तरह का जीवन वह पति से अलग होने से पहले ससुराल में गुजार रही थी। इस फैसले की एक प्रति बृहस्पतिवार को उपलब्ध कराई गई। अदालत ने एक व्यक्ति की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसे अगस्त 2023 के कुटुम्ब अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए दायर किया गया था। कुटुम्ब अदालत ने व्यक्ति को अपनी पत्नी को 15,000 रुपए मासिक गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया था। याचिकाकर्ता ने कहा कि उसकी पत्नी एक कामकाजी महिला है, जो 25,000 रुपए प्रतिमाह से अधिक कमाती है और इसलिए उसे उससे ''उच्च गुजारा भत्ते की आवश्यकता नहीं है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि हालांकि पत्नी कमा रही है, लेकिन यह आय उसके खुद के भरण–पोषण के लिए पर्याप्त नहीं है, क्योंकि उसे अपनी नौकरी के लिए रोजाना लंबी दूरी का सफर तय करना पड़ता है। उच्च न्यायालय ने कहा कि इतनी आय के साथ, वह एक अच्छा जीवन जीने की स्थिति में नहीं है। न्यायमूर्ति देशपांडे ने कहा, ''केवल इसलिए कि पत्नी कमा रही है, उसे अपने पति से मिलने वाली आर्थिक सहायता से वंचित नहीं किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता पत्नी की तुलना में कहीं अधिक कमाता है, जबकि उसकी कोई वित्तीय जिम्मेदारी नहीं है।

भारत ने आतंकवाद पर फिर दिखाया कड़ा रुख, राजनाथ ने एससीओ के बयान पर हस्ताक्षर से किया इनकार

संघाई (एजेन्सी) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद के दोषियों, वित्तपोषकों व प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और इससे निपटने में ''दोहरा मापदंड नहीं अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने पाकिस्तान समर्थित सीमापार से जारी आतंकवाद पर भारत की चिंताओं को स्पष्ट रूप से संबोधित नहीं करने के लिए एससीओ के बयान पर हस्ताक्षर नहीं करने का निर्णय लिया। मामले से परिचित लोगों ने बताया कि एससीओ आम सहमति के तहत काम करता है, लिहाजा दस्तावेज का समर्थन करने से सिंह के इनकार के परिणामस्वरूप एससीओ रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन संयुक्त वक्तव्य जारी किए बिना ही समाप्त हो गया। उन्होंने कहा कि सीमापार से जारी आतंकवादी गतिविधियों समेत आतंकवाद से निपटने के लिए कोई स्पष्ट दृष्टिकोण नहीं है। सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आतंकवाद से निपटने के मामले में दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए एससीओ सदस्य देशों को एकजुटता के साथ इस खतरे की निंदा करनी चाहिए। भारत और चीन के अलावा एससीओ में पाकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। पाकिस्तान का परोक्ष उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि कुछ देश आतंकवादियों को पनाह देने के लिए सीमापार आतंकवाद को नीतिगत साधन के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने आतंकवाद से बचाव और सीमा पार से होने वाले हमलों को रोकने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। उन्होंने कहा, पहलगाम आतंकी हमले के दौरान, पीड़ितों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मार दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकी समूह लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा, पहलगाम हमले का तरीका भारत में लश्कर–ए–तैयबा के पिछले आतंकवादी हमलों के जैसा था। भारत की आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति उसके कार्यों से प्रदर्शित होती है। उन्होंने कहा, इस नीति में आतंकवाद से खुद का बचाव करने का हमारा अधिकार भी शामिल है। हमने दिखा दिया है कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे। सिंह ने कहा कि एससीओ सदस्यों को आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा करनी चाहिए। उन्होंने इस खतरे से सभी रूपों में लड़ने के भारत के संकल्प की पुष्टि की। रक्षा मंत्री ने युवाओं में कट्टरपंथ को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने का भी आह्वान किया। सिंह ने कहा कि दुनिया कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और साइबर हमलों से लेकर हाइब्रिड युद्ध तक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये खतरे सभी देशों के सामने हैं और इनसे निपटने के लिए पारदर्शिता, आपसी विश्वास और सहयोग पर आधारित एकीकृत प्रयासों की जरूरत है। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि भारत, अफगानिस्तान में शांति, सुरक्षा व स्थिरता से संबंधित अपनी नीति पर अडिग रहा है। रक्षा मंत्री एससीओ रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए बुधवार को चीन के बंदरगाह शहर किंगदाओ पहुंचे थे।

अहमदाबाद विमान हादसे की गुत्थी अब सुलझेगी, ब्लैक बॉक्स से मिला डेटा

नयी दिल्ली (एजेन्सी) अहमदाबाद में 12 जून को हुए विमान हादसे की वजहें जल्द ही सामने आ सकती हैं। दरअसल, दुर्घटना में लगे विमान के ब्लैक बॉक्स की मेमोरी को सफलतापूर्वक एक्सेस कर लिया गया है। अब विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रयोगशाला में इसके डेटा का विश्लेषण किया जा रहा है। सीवीआर और एफडीआर से प्राप्त जानकारी की जांच जारी है। इस संबंध में नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने गुरुवार को जानकारी दी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जानकारी दी है कि एयर इंडिया की फ्लाइट एआई–171 के ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिए गए हैं और उनका विस्तृत विश्लेषण चल रहा है। 13 जून को हुई दुर्घटना के बाद, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार अपने महानिदेशक के नेतृत्व में एक बहु–विषयक जांच टीम का गठन किया है। इस टीम में विमानन चिकित्सा विशेषज्ञ, एयर ट्रैफिक कंट्रोल अधिकारी और विमान निर्माता एजेंसी के साथ–साथ अमेरिका स्थित नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) का प्रतिनिधि भी शामिल है।नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जानकारी दी है कि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) दोनों सफलतापूर्वक बरामद कर लिए गए हैं। इनमें से एक ब्लैक बॉक्स 13 जून को दुर्घटना स्थल की एक इमारत की छत से मिला था, जबकि दूसरा 16 जून को मलबे से निकाला गया। इसके बाद, 24 जून को पूरी सुरक्षा के साथ एआईएफ के विमान द्वारा ये ब्लैक बॉक्स अहमदाबाद से दिल्ली लाए गए। पहला ब्लैक बॉक्स 24 जून को दोपहर दो बजे एएआईबी की लैब, दिल्ली पहुंचा, जबकि दूसरा ब्लैक बॉक्स उसी दिन एएआईबी की दूसरी टीम द्वारा लाया गया। उसी दिन शाम को एएआईबी के महानिदेशक के नेतृत्व में एएआईबी और एनटीएसबी के तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ने इन रिकॉर्डर्स से डेटा निकालने का काम शुरू किया, जिसे एएआईबी की लैब में डाउनलोड किया गया।

अमित शाह बोले- भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं, यह राष्ट्र की आत्मा है

केंद्रीय गृह मंत्री दिल्ली में राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए, इस दौरान अमित शाह ने कहा कि किसी भाषा का विरोध नहीं है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि भाषाएँ सिर्फ संचार का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाषाओं को जीवित रखना और समृद्ध करना जरूरी है। उन्होंने कहा, जहाँ तक देश का सवाल है, भाषा सिर्फ संचार का माध्यम नहीं हैय यह राष्ट्र की आत्मा है। भाषाओं को जीवित रखना और उन्हें समृद्ध करना महत्वपूर्ण है। हमें आने वाले दिनों में सभी भारतीय भाषाओं और खासकर राजभाषा के लिए ये सभी प्रयास करने चाहिए। दिल्ली में राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह में बोलते हुए, अमित शाह ने कहा कि हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की दोस्त है। उन्होंने आगे कहा कि हिंदी और भारतीय भाषाएँ मिलकर राष्ट्र के आत्म–सम्मान को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं दिल से मानता हूँ कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की दुश्मन नहीं हो सकती।

हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की दोस्त है, और हिंदी और भारतीय भाषाएँ मिलकर हमारे आत्म–सम्मान के कार्यक्रम को उसके अंतिम लक्ष्य तक पहुँचा सकती हैं। किसी भी भाषा का विरोध नहीं हैय किसी भी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए, लेकिन जोर अपनी भाषा को गौरवान्वित करने पर होना चाहिए, अपनी भाषा बोलने पर जोर होना चाहिए, और अपनी भाषा में सोचने पर जोर होना चाहिए। अमित शाह ने यह भी कहा कि पूरे देश को गुलामी की मानसिकता से छुटकारा पाने की जरूरत है। उन्होंने आगे अपनी बात रखते हुए कहा, "हमें गुलामी की मानसिकता से छुटकारा पाना चाहिए। और जब तक कोई व्यक्ति अपनी भाषा पर गर्व नहीं करता, अपनी भाषा में खुद को व्यक्त नहीं करता, हम गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकते।

" मंत्री ने छात्रों को कई भारतीय भाषाओं में प्रतियोगी परीक्षाएँ देने में सक्षम बनाने के लिए सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली में राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि किसी भाषा का विरोध नहीं है, किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए, लेकिन आग्रह अपनी भाषा का महिमामंडन करने का होना चाहिए, आग्रह अपनी भाषा बोलने का होना चाहिए, आग्रह अपनी भाषा में सोचने का होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमें गुलामी की मानसिकता से मुक्त होना चाहिए। और जब तक व्यक्ति अपनी भाषा पर गर्व नहीं करेगा, अपनी भाषा में अपनी बात नहीं कहेगा, तब तक हम गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकते। अमित शाह ने आगे कहा कि जहां तक देश का सवाल है, भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं है, यह राष्ट्र की आत्मा है। भाषाओं को जीवित रखना और उन्हें समृद्ध बनाना जरूरी है।

मोहाली कोर्ट ने अकाली नेता बिक्रम मजीठिया को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

चंडीगढ़ (एजेन्सी) 540 करोड़ रुपए से अधिक के ड्रग मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किए गए शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को मोहाली कोर्ट ने 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। गुरुवार सुबह मजीठिया को कड़ी सुरक्षा के बीच मोहाली कोर्ट में पेश किया गया था। बिक्रम मजीठिया के आवास पर बुधवार को पंजाब विजिलेंस की टीम ने छापा मारा था। इसके बाद उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। मजीठिया की गिरफ्तारी को लेकर शिरोमणि अकाली दल के कार्यकर्ताओं ने भगवंत मान सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पार्टी नेता दलजीत सिंह चीमा ने इसे बदले की कार्रवाई बताया था। पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते 5 साल के लिए सस्पेंड शिरोमणि अकाली दल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर पंजाब सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'न कभी झुके हैं, न कभी झुकेंगे।' जितना जोर लगाना है, लगा लो। हर अकाली कार्यकर्ता सरदार बिक्रम सिंह मजीठिया के साथ है। गुरुवार सुबह पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बिक्रम मजीठिया के खिलाफ हुई कार्रवाई पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने बयान में कहा, बिक्रमजीत मजीठिया को रिमांड पर लिया जाएगा, जिसमें वह सब कुछ बताएंगे कि उनके पास क्या–क्या है। बुधवार को विजिलेंस ने बताया था कि क्या–क्या बरामद हुआ है। मैं सिर्फ इतना ही कहूंगा कि कोई भी अपनी पावर या पद का अहंकार न करे। मैं पंजाब के लिए वफादार हूं और मैंने यहां के लोगों से वादा किया था कि 'रंगला पंजाब बनाएंगे'। इसके लिए अगर वह मेरा भी नुकसान करते हैं तो कोई बात नहीं। बुधवार को विजिलेंस द्वारा हिरासत में लिए जाने से पहले बिक्रम मजीठिया ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने पंजाब की भगवंत मान सरकार की आलोचना की और उन पर कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया। मजीठिया ने कहा था, ष्मेरे घर पर छापेमारी भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल के अहंकार को दर्शाती है। विजिलेंस ने मेरे घर में जबरदस्ती प्रवेश किया और प्रेस को भी अंदर नहीं आने दिया। इतना ही नहीं, वकीलों के साथ भी धक्का–मुक्की की। आम आदमी पार्टी की सरकार कानून का उल्लंघन कर रही है। भगवंत मान की धमकियां मुझे चुप नहीं करा सकतीं। मैं हमेशा पंजाब और पंजाबियों के लिए आवाज उठाता रहूंगा।

बिहार में सीट शेयरिंग फाइनल नहीं : कांग्रेस सांसद तारिक अनवर

नयी दिल्ली (एजेन्सी) बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीति के गलियारों में चर्चा है कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) कांग्रेस को चुनाव लड़ने के लिए 40 सीट ऑफर कर रही है। जब इस बारे में कांग्रेस सांसद तारिक अनवर से जवाब मांगा गया तो उन्होंने इस दावे को खारिज करते हुए अफवाह करार दिया। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने गुरुवार को समाचार एजेंसी से बातचीत की। उन्होंने कहा कि सीट बंटवारे को लेकर जो भी खबरें सामने आई हैं, वो बिल्कुल झूठ है। सीट बंटवारे को लेकर अभी हमारी को–ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक होगी, जिसमें सबकुछ तय होगा। कमेटी की बैठक में सबकी राय ली जाएगी। हमारा मकसद बिहार चुनाव को लेकर स्पष्ट है कि हमें एनडीए की सरकार को सत्ता से बेदखल करना है। बिहार में बदलाव लाने के लिए हम पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेंगे। बिहार को एक प्रगतिशील सरकार की सख्त जरूरत है। कौन कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा, जल्द ही इसकी तस्वीर आप सभी के सामने होगी। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों से जुड़े सवाल पर कहा कि इस मामले में पार्टी आगे अध्ययन करेगी। कानूनी तौर पर आगे क्या कर सकते हैं। कांग्रेस पार्टी की ओर से चुनाव आयोग से कुछ चीजों की मांग की गई थी, जब वह मिल जाएंगी तो आगे विचार किया जाएगा। कांग्रेस सांसद ने कहा कि हमारी विदेश नीति फ्लॉप है। दुनिया में आतंकवाद के खिलाफ हमें समर्थन नहीं मिला है। भारत अलग–थलग पड़ गया है। उसे दूसरे देशों से समर्थन नहीं मिल रहा है।प्रशांत किशोर के दल जनसुराज को स्कूल बैग का चुनाव चिन्ह मिलने पर कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने कहा कि अच्छी बात है कि उन्हें चुनाव चिन्ह मिल गया है। राजनीति में उन्होंने जितना समय दिया है और बिहार में वह प्रचार भी कर रहे हैं। बिहार चुनाव का परिणाम उनका राजनीतिक सफर तय करेगा।

सम्पादकीय

न भूलें आपातकाल थोपने के पीछे का इरादा, भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे काला अध्याय

कांग्रेस सरकार द्वारा 1975 से 77 तक लगाया गया आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे काला अध्याय है। उस दौर में इंदिरा सरकार ने संविधान की मूल भावना को दरकिनार कर लोकतंत्र के आत्मा, संवैधानिक संस्थाओं, प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिक अधिकारों पर आघात किया। आपातकाल का कालखंड भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कलंक के टीके की तरह है। इस पर काफी चर्चा हुई है। किताबें भी लिखी गई हैं, लेकिन इस पहलू पर उतनी चर्चा नहीं हुई कि आपातकाल लगाने के पीछे इंदिरा गांधी की मंशा क्या थी? अगर 1977 में इंदिरा गांधी दोबारा सत्ता में लौटतीं तो भारत के लोकतंत्र और संविधान के मूल ढांचे पर इसके क्या प्रभाव पड़ते? आपातकाल के दौरान किया गया 42वां संविधान संशोधन संविधान के मूल आत्मा को बदलने का एक प्रयास था। इसके मूल में एकदलीय प्रणाली को स्थापित करने की मंशा थी। यह एक तरह से संविधान को ही बदलने का प्रयास था। इस संशोधन के माध्यम से न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कम किया गया, नागरिक अधिकारों को सीमित किया गया और इंदिरा गांधी ने अपनी सरकार को असाधारण शक्तियां दे दीं। कांग्रेस के मुखपत्र नेशनल हेराल्ड ने अपने संपादकीय में आपातकाल की हिमायत में लिखा था कि समय आ गया है कि अब देश एकदलीय लोकतंत्र की दिशा में बढ़े। इंदिरा के करीबी सहयोगी बीके नेहरू, जो एक अनुभवी राजनयिक भी थे, ने आपातकाल की सराहना में एक पत्र में लिखा था कि संसदीय लोकतंत्र हमारी जरूरतों का उत्तर देने में सक्षम नहीं है। उन्होंने इंदिरा गांधी से आग्रह किया कि अब जब आपके पास दो–तिहाई बहुमत है, तो संविधान में मौलिक परिवर्तन कर डालिए। इसलिए, यह संदेह निराधार नहीं कि यदि इंदिरा गांधी 1977 में सत्ता में वापसी करतीं तो यह प्रक्रिया और तेज होती। संविधान के मूल ढांचे, जैसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता, संघीय व्यवस्था, नागरिक अधिकार एवं चुनावों की निष्पक्षता को कमजोर करने के लिए और संशोधन लाए जाते। तब भारत की लोकतांत्रिक पहचान ही खतरे में पड़ जाती। आपातकाल के समय इंदिरा गांधी ने असहमत विरोधी दलों पर कड़े प्रतिबंध लगाए, सैकड़ों नेताओं को जेल में डाला और अनेक गैर–राजनीतिक संगठनों की आवाज भी दबाई। इसके पीछे उनका इरादा बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करके देश में एकदलीय प्रणाली को शक्तिशाली बनाने का था। यह अलोकतांत्रिक विचार था। इसके तहत इंदिरा गांधी कांग्रेस को एकमात्र राजनीतिक शक्ति बनाना चाहती थीं।

आपातकाल के वक्त भारत में परिवार आधारित तानाशाही का प्रयोग चल रहा था। यदि यह प्रयोग सफल हुआ होता तो देश की निर्णय प्रक्रिया लोकतांत्रिक प्रणाली के बजाय 'एक दल–एक परिवार' की व्यक्तिगत इच्छाओं से संचालित होती। आपातकाल में नौकरशाही को कांग्रेस पार्टी के एजेंडे के प्रति वफादार बनाने के सारे प्रयास हुए। योग्यता और निष्पक्षता को दरकिनार कर केवल वफादारी के आधार पर पदोन्नति दी गई। एक समर्पित नौकरशाही की परिकल्पना भी आपातकाल के दौरान उभरी। यदि 1977 में दोबारा कांग्रेस की सरकार बनती, तो पूरी आशंका थी कि इस नीति को और आक्रामक रूप से लागू किया जाता। स्वतंत्र प्रशासनिक संस्थाएं, जैसे संघ लोक सेवा आयोग, कैग, चुनाव आयोग को निष्प्रभावी बनाया जाता और एक 'कमिटेड ब्यूरोक्रेसी' तैयार की जाती। कांग्रेस द्वारा समय–समय पर ऐसी कोशिश की जाती रही है, इसलिए इस आशंका को बल मिलता है। देश में लोकतंत्र की आधारशिला रखने वालों ने स्वतंत्र और स्वायत्त न्यायपालिका की व्यवस्था दी थी। उसे भी इंदिरा सरकार ने सरकार के प्रति प्रतिबद्ध बनाने की कोशिश की थी। सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठता की अनदेखी कर कनिष्ठ जज को मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। जस्टिस एचआर खन्ना जैसे साहसी न्यायाधीशों को दरकिनार कर दिया गया, क्योंकि उन्होंने नागरिक अधिकारों की रक्षा पर जोर दिया था। यदि इंदिरा सत्ता में कायम रहतीं तो न्यायपालिका पर दबाव और बढ़ता। संवैधानिक समीक्षा की शक्तियों को सीमित किया जाता, न्यायिक नियुक्तियों में सरकार की मनमानी चलती और अदालतें सरकारी एजेंडे को वैध ठहराने का माध्यम बन जातीं। आपातकाल के दौरान प्रेस की स्वतंत्रता पर अभूतपूर्व हमला हुआ। व्यापक सेंसरशिप लगाई गई। सरकार विरोधी सामग्री प्रकाशित करने पर प्रतिबंध लगाया गया। कई समाचार पत्रों के मालिकों, संपादकों को दंडित किया गया, क्योंकि उन्होंने आपातकाल की आलोचना की थी। कुछ अखबारों ने अपने संपादकीय खाली छोड़ दिए थे।

सवालों में संघर्ष विराम

सवालों और संशय के बीच इजरायल–ईरान के बीच छिड़े भीषण युद्ध पर विराम लग गया। इस युद्ध में अमेरिका ने कूदकर और ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर पश्चिम एशिया के साथ विश्व शांति एवं स्थिरता के लिए खतरा पैदा कर दिया था। फिलहाल यह खतरा टलता दिख रहा है, लेकिन अभी यह कहना कठिन है कि इजरायल–ईरान के बीच की दशकों पुरानी दुश्मनी खत्म हो जाएगी और ऊर्जा के स्रोत वाले पश्चिम एशिया में शांति भी आ जाएगी, जैसा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कह रहे हैं। उनकी किसी बात पर भरोसा करना ठीक नहीं। वह अपनी ही बात और अपनी ही नीति से पलट जाते हैं। अब वह बीच–बचाव की मुद्रा में दिख रहे हैं और इजरायल को भी नसीहत दे रहे हैं। उनकी और इजरायली प्रधानमंत्री की मानें तो ईरान ने परमाणु हथियार बनाने की क्षमता खो दी है, लेकिन ईरान कह रहा है कि वह अपना परमाणु कार्यक्रम जारी रखेगा। क्या वह परमाणु हथियार हासिल करने का इरादा सचमुच छोड़ देगा? क्या उसके बचे–खुचे विज्ञानी यह विस्मृत कर सकते हैं कि परमाणु हथियार बनाते कैसे हैं? क्या अमेरिका से सदा सशंकित रूस और चीन भी यह चाहेंगे कि ईरान परमाणु हथियार बनाने का इरादा छोड़ दे? स्पष्ट है कि ऐसे सवालों का जवाब भविष्य ही देगा। इस पर हैरानी नहीं कि ईरान भी अपनी जीत और शत्रु को सबक सिखाने का दावा कर रहा है। ऐसा ईरानी जनता और खास तौर पर कट्टर मजहबी सत्ता के समर्थकों का मनोबल बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। दिख यही रहा है कि जिस तरह भारत के आपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान पस्त हो गया था, वैसे ही, बल्कि उससे ज्यादा इजरायल और अमेरिकी सेनाओं के सामने ईरान भी पस्त हो गया। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने खूब गर्जन–तर्जन किया और उनकी सेनाओं ने इजरायल को कुछ नुकसान पहुंचाने के साथ पश्चिम एशिया में अमेरिका के ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की। इसी क्रम में कतर, इराक आदि में अमेरिकी अड्डों को निशाना भी बनाया गया, लेकिन ये कुलमिलाकर निष्प्रभावी हमले थे। ईरान ने ये हमले कर एक तरह से अपनी खीझ मिटाई। वास्तव में उसे इन हमलों के बहाने संघर्ष विराम की ट्रंप की पेशकश स्वीकारने का जरिया मिल गया। ऐसा कोई जरिया उसके लिए जरूरी भी था, क्योंकि कोई देश यह नहीं कहता कि वह असहाय हो गया। इसका एक उदाहरण पाकिस्तान है, जिसने भारत से हमेशा पिटने के बाद भी अपनी जीत का दावा किया। चूंकि भारत के ईरान और इजरायल, दोनों से संबंध हैं, इसलिए उसने किसी एक पक्ष में खड़े न होकर सही किया। भारत को सबसे पहले अपने हित ही देखने चाहिए। वर्तमान वैश्विक हालात और ट्रंप के रवैये को देखते हुए तो ऐसा करना और भी आवश्यक है। क्या वह परमाणु हथियार हासिल करने का इरादा सचमुच छोड़ देगा? क्या उसके बचे–खुचे विज्ञानी यह विस्मृत कर सकते हैं कि परमाणु हथियार बनाते कैसे हैं? क्या अमेरिका से सदा सशंकित रूस और चीन भी यह चाहेंगे कि ईरान परमाणु हथियार बनाने का इरादा छोड़ दे? स्पष्ट है कि ऐसे सवालों का जवाब भविष्य ही देगा। इस पर हैरानी नहीं कि ईरान भी अपनी जीत और शत्रु को सबक सिखाने का दावा कर रहा है। ऐसा ईरानी जनता और खास तौर पर कट्टर मजहबी सत्ता के समर्थकों का मनोबल बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। दिख यही रहा है कि जिस तरह भारत के आपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान पस्त हो गया था, वैसे ही, बल्कि उससे ज्यादा इजरायल और अमेरिकी सेनाओं के सामने ईरान भी पस्त हो गया। इसी क्रम में कतर, इराक आदि में अमेरिकी अड्डों को निशाना भी बनाया गया, लेकिन ये कुलमिलाकर निष्प्रभावी हमले थे।

50 साल पहले इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने निर्ममता के साथ की थी संविधान की हत्या

नीरज कुमार दुबे

उन्होंने दलील दी थी कि इंदिरा गांधी ने चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया, चुनाव में तय सीमा से अधिक पैसे खर्च किए और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया। मामले पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी को आरोपों में दोषी पाया और छह साल के लिए पद से बेदखल कर दिया तथा इंदिरा गांधी के चिर प्रतिद्वंद्वी राज नारायण सिंह को चुनाव में विजयी घोषित कर दिया था। अदालत के इस फैसले ने देश में बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया था।

देश 25 जून, 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा भारत में लगाए गए आपातकाल की 50वीं बरसी मना रहा है। मोदी सरकार आपातकाल की अवधि के दौरान अमानवीय पीड़ा झेलने वालों के व्यापक योगदान को याद करने के लिये आज के दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मना रही है तो दूसरी ओर राजनेता हों या मीडियाकर्मी अथवा सामान्य जन, सभी उस दौर को याद कर कांग्रेस को कोस रहे हैं क्योंकि वह देश की सरकार द्वारा अपनी ही जनता पर किये गये अत्याचार की निर्मम पराकाष्ठा थी। उस समय देश में एक लाख से ज्यादा लोगों को जेलों में ठूंस दिया गया था। देश के जितने भी बड़े विपक्षी नेता थे, सभी के सभी सलाखों के पीछे डाल दिए गए थे। राजनीतिक बंदियों की अपने परिवारों से मुलाकात तक पर पाबंदी लगा दी गई थी। नेता ही नहीं अदालतें भी एक तरह से कैद हो चुकी थीं। किसी को जमानत नहीं दी जा रही थी और मानव अधिकारों के उल्लंघन पर स्वतः संज्ञान नहीं लिया जा रहा था। राजनीतिक कार्यकर्ता जेल में मानसिक–शारीरिक यातनाएं सह रहे थे। पुलिस हिरासत और जेलों में मौत हो रही थीं लेकिन कहीं कोई सुनने वाला नहीं था। हम आपको बता दें कि देश में आपातकाल के 1975 में आधिकारिक रूप से लागू होने से पहले, ग्रामीण इलाकों में छोटे बच्चे अक्सर बिना कपड़ों के बेफिक्री से दौड़ते–भागते नजर आते थे। लेकिन आपातकाल के दौरान हालात इतने भयावह हो गए थे कि लोगों ने मासूम बच्चों को भी कपड़े पहनाने शुरू कर दिए थे, यह शालीनता की भावना से नहीं हो रहा था बल्कि जबरन नसबंदी की आशंका से उपजा डर था, जिसने पूरे समाज को जकड़ लिया था। सामूहिक नसबंदी अभियान की यादें आज भी जीवित बचे पीड़ितों को परेशान करती हैं क्योंकि कई लोगों की नसबंदी जबरदस्ती की गई थी। अकेले 1976 में, पूरे भारत में 80 लाख से अधिक लोगों की नसबंदी की गई थी। इनमें से ज्यादातर पुरुष थे, जिनमें से कई लोगों की नसबंदी स्वैच्छिक नहीं थी। हम आपको बता दें कि 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तानाशाह इसलिए बन गयी थीं और देश पर आपातकाल इसलिए थोप दिया था क्योंकि एक पुराना मामला राजनीतिक रूप से उनके लिए बड़ी मुश्किलों का सबब बन गया था। दरअसल 1971 में हुए लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी ने अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी राज नारायण को रायबरेली संसदीय क्षेत्र में पराजित किया था। लेकिन चुनाव परिणाम आने के चार साल बाद राज नारायण ने हाईकोर्ट में चुनाव परिणाम को चुनौती दी। उन्होंने दलील दी थी कि इंदिरा गांधी ने चुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया, चुनाव में तय सीमा से अधिक पैसे खर्च किए और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया। मामले पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी को आरोपों में दोषी पाया और छह साल के लिए पद से बेदखल कर दिया तथा इंदिरा गांधी के चिर प्रतिद्वंद्वी राज नारायण सिंह को चुनाव में विजयी घोषित कर दिया था। अदालत के इस फैसले ने देश में बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया था। इंदिरा गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे डाली थी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा, हालांकि इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बने रहने की इजाजत दे दी। इस फैसले से विपक्ष में जहां नया जोश आ गया वहीं इंदिरा गांधी बौखला गयी थीं। अपने खिलाफ विपक्ष की एकजुटता और विरोध प्रदर्शन बढ़ते देख इंदिरा गांधी ने 25–26 जून की रात को आपातकाल लगाने का फैसला किया और रात्रि को ही राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के दस्तखत के साथ भारत में आपातकाल लागू हो गया। अगली सुबह समूचे देश ने रेडियो पर इंदिरा गांधी की आवाज में संदेश सुना कि भाइयों और बहनों, राष्ट्रपति जी ने आपातकाल की घोषणा की है। लेकिन इससे सामान्य लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। लोगों को आपातकाल का मतलब तब समझ आया जब उन्हें पता चला कि उनके सभी मौलिक अधिकारों को स्थगित कर दिया गया है। इसके साथ ही सरकार विरोधी भाषणों और किसी भी प्रकार के प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। इससे जनता नाराज हुई और सड़कों पर उतरने लगी लेकिन सड़क पर उतरने वाले हर शख्स को जेलों में ठूंस दिया गया था। हम आपको बता दें कि आपातकाल के दौरान तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने देश में कुल 48 अध्यादेश लागू किए थे जिसमें आंतरिक सुरक्षा कानून अधिनियम (मीसा) में संशोधन के लिए लाए गए पांच अध्यादेश भी शामिल थे। प्रशासन को बिना किसी वारंट के किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने का अधिकार देने वाले इस कानून को अक्सर 'दमनकारी' कानून की संज्ञा दी जाती है। पचास वर्ष पहले 25 जून 1975 को लगाया गया आपातकाल 21 महीने जारी और इस दौरान सरकार ने कई बार संविधान में बदलाव किए जिसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र से बाहर रखा गया तथा संविधान की प्रस्तावना में श्समाजवादीश, श्धर्मनिरपेक्षश और श्अखंडताश जैसे शब्द जोड़े गए। विभिन्न कानूनों में संशोधनों से सत्ता संतुलन केंद्र सरकार के पक्ष में हो गया और न्यायपालिका की शक्तियों में कटौती कर दी गई। देश में आपाताकाल लागू होने पर कुछ ही दिनों के भीतर 29 जून 1975 को सरकार ने मीसा में बदलाव करने के लिए पहला अध्यादेश जारी किया था। आपातकाल के दौरान मीसा (संशोधन) अध्यादेश को और चार बार लागू किया गया तथा संसद द्वारा उसे मंजूरी दे दी गई। अगले ही दिन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने एक अध्यादेश भारत रक्षा अधिनियम (संशोधन) लागू किया, जिससे सरकार को देश में शांति और कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए ज्यादा शक्तियां मिल गईं। आपातकाल के दौरान संसद के संक्षिप्त सत्र आयोजित किए गए। विपक्ष के कई नेता सलाखों के पीछे थे और कांग्रेस ने अपने प्रचंड बहुमत का इस्तेमाल करते हुए कई अध्यादेशों पर संसदीय मोहर लगवाने के लिए मसौदा विधेयक को पारित कर दिया गया था। उस दौर के बारे में भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने बताया कि जब आपातकाल घोषित किया गया तो कुछ पुलिसकर्मियों ने रात में हमारे दरवाजे पर दस्तक दी। जब वे मेरे पिता को गिरफ्तार करने आए, तो हमने सोचा कि ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि वे (इंदिरा) गांधी और कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल थे। हमने सोचा कि वे उन्हें गिरफ्तार करेंगे और कुछ दिनों में रिहा कर देंगे। लेकिन अगली सुबह उन्हें पता चला कि देश में आपातकाल लगा दिया गया है। उस समय दिवंगत अरुण जेटली दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष थे। विजय गोयल ने कहा कि वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा और वह दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित विरोध प्रदर्शनों में शामिल रहे थे। विजय गोयल ने उस दौर को याद करते हुए बताया कि वह किस तरह पुलिस से बचने के लिए छतों से कूदकर भाग रहे थे। कैसे लोगों को जेलों में प्रताड़ित किया गया। उन्होंने बताया कि वे लगातार अपना ठिकाना बदलते रहते थे और अक्सर पुलिस से बचने के लिए खुले में सोते थे।

उन्होंने बताया कि अंत में पार्टी नेताओं ने भूमिगत गतिविधियों में शामिल लोगों को समर्पण करने की सलाह दी। उस समय तक रजत शर्मा पहले ही गिरफ्तार हो चुके थे, उन्हें पीटा गया लेकिन रजत शर्मा ने विजय गोयल के ठिकाने को लेकर जुबान नहीं खोली। विजय गोयल ने बताया कि कैदी अक्सर खराब भोजन को लेकर थालियां बजा बजाकर विरोध जताते थे और इसके लिए उन्हें पीटा जाता था। बीमार कैदियों को पैरोल नहीं दी गई। लेकिन पुलिस स्टेशन में जेलों के मुकाबले कहीं ज्यादा प्रताड़ना दी जाती थी। लेकिन ऐसे माहौल में भी हौंसले बुलंद रखने के लिए कैदियों द्वारा कविता पाठ, पेंटिंग और बैडमिंटन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती थीं। उन्होंने बताया कि आपातकाल ने ना जाने कितनी जिंदगियों को तबाह कर दिया। लोगों को भयानक तरीके से प्रताड़ित किया जाता था। उनके बाल और नाखून खींचे जाते थे, बर्फ की सिल्लियों पर लिटाया जाता, महिलाओं को भी यातनाएं दी जाती थीं। वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पूर्व प्रचारक और राजनीतिक विचारक केएन गोविंदाचार्य ने आपातकाल को 'अशुभ' करार देते हुए कहा कि इस दौरान आरएसएस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भाजपा के पूर्व पदाधिकारी ने कहा कि संघ परिवार ने उस आंदोलन को स्थिरता दी। उन्होंने कहा, ''समुद्र मंथन के दौरान संतुलन कायम रखने के लिए जिस प्रकार कूर्म ने बासुकी नाग और मंदराचल पर्वत के साथ एक भूमिका अदा की, आपातकाल में वही भूमिका संघ की थी।'' वहीं उस दौर में मीडिया की भूमिका को देखें तो समाचार पत्रों पर सेंसरशिप, पत्रकारों की गिरफ्तारी और समाचार एजेंसियों का विलय, ऐसे ही कुछ तरीकों से इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने आपातकाल के 21 महीनों के दौरान सार्वजनिक विमर्श को नियंत्रित करने की कोशिश की थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, आपातकाल के दौरान, सरकार के हिसाब से काम करने से इंकार करने वाले 200 से अधिक पत्रकारों को विपक्षी नेताओं के साथ जेल में डाल दिया गया था। इसके साथ ही सरकार ने चार समाचार एजेंसियों– प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया, यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान समाचार और समाचार भारती का विलय करके एक समाचार एजेंसी 'समाचार' बना दी थी। उस समय समाचार रिपोर्टिंग पर कड़ी निगरानी रहती थी और पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) में तैनात एक आईपीएस अधिकारी ने यह सुनिश्चित किया कि अखबारों में सरकार के पक्ष में ही खबरें पहुंचें। पत्रकारों को संजय गांधी और पुरुषों की जबरन नसबंदी से जुड़े उनके परिवार नियोजन कार्यक्रम की प्रशंसा करने तथा विपक्ष से संबंधित खबरों को कुछ पैराग्राफ में समेटने के लिए मजबूर किया जाता था। वरिष्ठ पत्रकार एस वेंकट नारायण आपातकाल के दौरान श्ऑनलुकरश पत्रिका के संपादक थे। विजय गोयल ने कहा कि वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा और वह दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित विरोध प्रदर्शनों में शामिल रहे थे।

इंदिरा गांधी के नेतृत्व में आपातकाल के 50 साल

सुप्रीम कोर्ट ने सिन्हा के फैसले पर रोक तो लगा दी, लेकिन इंदिरा गांधी को संसद में वोटिंग में हिस्सा लेने से रोक दिया। इसके बाद सिद्धार्थ शंकर रे की सलाह पर 25 जून 1975 की रात राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद के हस्ताक्षर से देश पर आपातकाल थोप दिया गया। हैरत की बात यह है कि इसके लिए संवैधानिक प्रक्रिया का ध्यान नहीं रखा गया। कैबिनेट की मंजूरी के बिना सीधे राष्ट्रपति का हस्ताक्षर करा लिया गया और कैबिनेट की रस्मी बैठक अगले दिन यानी छब्बीस जून को हुई। दिलचस्प यह है कि नियम–प्रक्रिया का उल्लंघन करते हुए समूचे देश को जेल बना देने वाले आपातकाल को गांधी जी के रचनात्मक शिष्य विनोबा भावे ने अनुशासन पर्व कहा था।

उमेश चतुर्वेदी

मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा करते वक्त विपक्षी दल एक आरोप बार–बार लगाते हैं। उनका कहना है कि देश पर इन दिनों अघोषित आपातकाल लागू है। दिलचस्प यह है कि यह आरोप लगाने वाले दलों में कांग्रेस भी शामिल है। स्वाधीन भारत के इतिहास में काले अध्याय के तौर पर कुख्यात आपातकाल को आज ही के दिन ठीक पचास साल पहले इंदिरा गांधी की अगुआई वाली सरकार ने देश पर थोप दिया था। इसके बाद जैसे समूचा देश ही जेल के रूप में तब्दील हो गया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, करीब 35 हजार लोग मीसा और लगभग 75 हजार लोग डीआरआई के तहत गिरफ्तार कर लिए गए। न्यायपालिका के अधिकार सीमित कर दिए गए। जबरदस्ती नसबंदी कराई जाने लगी। दिल्ली के तुर्कमान गेट की सफाई करने के नाम पर बुलडोजर चलाकर कई घर जमींदोज कर दिए गए। विरोध कर रहे लोगों पर पुलिस ने गोलियां चलाईं। उस गोलीबारी में कितने लोग मारे गए, किसी भी सरकार ने आज तक आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है। अघोषित आपातकाल का आरोप जब कांग्रेस लगाती है तो प्रकारांतर से वह भी स्वीकार करती है कि आपातकाल गलत था। हालांकि अपनी इस गलती को अब तक वह सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं कर पाई है। आपातकाल के दौरान जेलों में बंद रहे लोगों के लिए कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ की गैर कांग्रेसी सरकारों ने पेंशन की शुरूआत की। लेकिन जैसे ही इन राज्यों में कांग्रेसी सरकारें आईं, उन्होंने यह पेंशन बंद कर दी। इसका मतलब यह है कि वह आपातकाल को अब तक सही ही मानती है। अगर वह गलत मानती तो निश्चित तौर पर पेंशन को जारी रखती। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में बीजेपी की सरकारें लौट आई हैं, लिहाजा वहां एक बार फिर पेंशन शुरू हो रही है, लेकिन कर्नाटक में अब भी पेंशन बंद है। जाहिर है कि ऐसा करके कांग्रेस मानती है कि आपातकाल सही था। अगर वह सही था तो फिर देश में अघोषित आपातकाल की चर्चा में उसके शामिल होने को सही कैसे ठहराया जा सकता है। आपातकाल क्यों लगा, इस दौरान सरकार ने संविधान के तहत मिले जीवन के अधिकार तक को मुल्तवी क्यों कर दिया? इन सवालों के जवाब बार–बार दिए जा चुके हैं। बारह जून 1975 को दो घटनाएं ऐसी घटीं, जिसने इंदिरा गांधी को हिला दिया। इसी दिन इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी के रायबरेली के चुनाव में सरकारी मशीनरी के इस्तेमाल के आरोप को सही पाते हुए इंदिरा गांधी के निर्वाचन को रद्द कर दिया था। इसके साथ ही इसी दिन गुजरात में कांग्रेसी चिमन भाई पटेल की सरकार चुनावों में हार गई। इसके बाद इंदिरा गांधी को लगा कि उनकी सत्ता को बड़ी चुनौती मिली है। बेशक सिन्हा ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए बीस दिनों का समय दिया, लेकिन इंदिरा गांधी और उनके सलाहकारों ने इस फैसले से बचाव का समानांतर रास्ता खोज लिया। सुप्रीम कोर्ट ने सिन्हा के फैसले पर रोक तो लगा दी, लेकिन इंदिरा गांधी को संसद में वोटिंग में हिस्सा लेने से रोक दिया। इसके बाद सिद्धार्थ शंकर रे की सलाह पर 25 जून 1975 की रात राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद के हस्ताक्षर से देश पर आपातकाल थोप दिया गया। हैरत की बात यह है कि इसके लिए संवैधानिक प्रक्रिया का ध्यान नहीं रखा गया। कैबिनेट की मंजूरी के बिना सीधे राष्ट्रपति का हस्ताक्षर करा लिया गया और कैबिनेट की रस्मी बैठक अगले दिन यानी छब्बीस जून को हुई। दिलचस्प यह है कि नियम–प्रक्रिया का उल्लंघन करते हुए समूचे देश को जेल बना देने वाले आपातकाल को गांधी जी के रचनात्मक शिष्य विनोबा भावे ने अनुशासन पर्व कहा था। आपातकाल की पूर्व पीठिका में गुजरात से शुरू छात्रों के आंदोलन का पहले बिहार पहुंचना, उसमें जयप्रकाश नारायण का कूदना और सत्ता के साथ उनका व्यवस्था बदलने की अपील करना जैसी बड़ी वजहें रहीं। इक्कीस महीने तक देश पर लागू रहे आपातकाल ने लाखों लोगों को जैसे पिंजरे में कैद कर दिया। पुलिस की निरंकुशता बढ़ गई। न्याय व्यवस्था पंगु हो गई, नौकरशाही हावी रही। इंदिरा गांधी के छोटे बेटे संजय गांधी की शह पर मनमानियां हुईं। प्रेस पर सेंसरशिप थोप दी गई। इसकी वजह से सतह के तथ्य सामने नहीं आ पा रहे थे। देश के तमाम विपक्षी नेता जेलों में ठूंस दिए गए। इक्कीस महीने बाद जब आपातकाल हटा और देश में चुनाव हुए तो समूचे उत्तर भारत से कांग्रेस का सफाया हो गया। इंदिरा गांधी की सहयोगी रहीं पुपुल जयकर ने लिखा है कि आपातकाल के आखिरी दिनों में इंदिरा गांधी आध्यात्मिक गुरू जे कृष्णमूर्ति से मिलीं। उसके बाद उन्होंने देश से आपातकाल हटाने और चुनाव कराने का फैसला लिया। आपातकाल के बाद 1977 के आम चुनावों में विपक्षी दलों के मोर्चे जनता पार्टी ने चुनाव जीता और देश से आपातकाल की काली छाया हटी। इंदिरा और उनकी कांग्रेस को कीमत चुकानी पड़ी। उनकी संसदीय लाज दक्षिण के राज्यों ने रखी। आपातकाल का एक संदेश यह है कि अब कोई भी सरकार देश में दोबारा आपातकाल लागू करने की कोशिश नहीं कर सकती। अघोषित आपातकाल के आरोपों का बार दूबार सामना करने वाले प्रधानमंत्री मोदी कई बार इस तथ्य को दोहरा चुके हैं। आपाताकाल ने देश को अनुशासन में कितना ढाला, इसे लेकर शोध हो सकता है। लेकिन यह सच है कि घोषित तौर पर उसने नागरिक अधिकारों की हत्या की। भारत में चाहे जो भी शासन तंत्र रहे हों, लेकिन जीवन के अधिकार को राज सत्ता ने कभी अस्वीकार नहीं किया। लेकिन इंदिरा सरकार ने ऐसा किया। आपातकाल का दूसरा संदेश यह है कि तानाशाही वाली राजनीति लोकतांत्रिक समाज में नहीं चल सकती। राजनेता को जनता के सामने झुकना पड़ेगा। अन्यथा, उसका हश्र इंदिरा जैसा ही होगा। यह बात और है कि महज ढाई साल पहले राजनीतिक खलनायिका बनी इंदिरा को इसी देश की जनता ने सिर आंखों पर बैठाया। उनकी तानाशाही को महज ढाई साल बाद ही भूल गई और 1980 के चुनावों में देश की सत्ता सौंप दी। आपातकाल ने देश को व्यवस्था परिवर्तन का मौका दिया था। जनता ने विपक्षी खेमे को सत्ता इसी बदलाव की उम्मीद के साथ सौंपी थी। लेकिन वह महज सत्ता परिवर्तन रहा, व्यवस्था परिवर्तन नहीं। उसी दौर के उभरे नेता आज जातिवादी राजनीति के महान पैरोकार बन चुके हैं। उन पर भ्रष्टाचार और कदाचार के गंभीर आरोप लगते रहे हैं, उन्हें सजाएं हुई हैं। वे आज बड़े और व्यापक भारतीय समाज की बजाय अपनी जातियों के नेता बने हुए हैं। चंद्रशेखर ने जेपी को उनके आंदोलन के दौरान एक चिट्ठी लिखकर चेताया था कि जो नेता उनके साथ आ रहे हैं, दरअसल वे व्यवस्था परिवर्तन के लिए नहीं, सत्ता की चाहत के लिए आ रहे हैं।

अब रेयर अर्थ को लेकर दुनिया में खींचतान होगी

लंदन में दो दिन की बातचीत के बाद अमेरिका और चीन पिछले महीने जेनेवा में हुए व्यापार सौदे के स्थान पर एक नए सौदे पर सहमत हो गए। जिनपिंग और ट्रम्प की फोन पर बातचीत के बाद जेनेवा समझौता हुआ था। लेकिन अमेरिका ने हुआवे कंपनी की कुछ एसेन्ड चिप्स का उपयोग निलंबित कर दिया था, जिसके कारण जेनेवा सौदा रद्द कर दिया गया। प्रतिक्रिया में चीन ने दुनियाभर में हाईटेक उत्पादों में काम आने वाले रेयर अर्थ पदार्थों का निर्यात सीमित कर दिया। अमेरिका ने भी जवाबी कार्रवाई में चीनी विद्यार्थियों के वीजा वापस ले लिए थे। तब जाकर ट्रम्प और जिनपिंग ने बीते सप्ताह 90 मिनट बात की और फिर लंदन समझौता हुआ। अब, ट्रम्प के एक ट्वीट के अनुसार दोनों पक्षों के बीच जिन बातों पर सहमति बनी है, उनमें टैरिफ घटा कर चीन पर 55 प्रतिशत और अमेरिका पर 10 प्रतिशत किया जाएगा। अमेरिका चीन को कॉरमेक एयरलाइनर के पुर्जों की सप्लाई समेत कुछ तकनीकी प्रतिबंधों को हटा सकता है। दोनों पक्षों को आशा है कि इससे उनके बीच चल रहे ट्रेड वॉर में शांति आएगी और कई मुसीबतों से जूझ रही उनकी अर्थव्यवस्थाओं को बल मिलेगा। लेकिन इससे यह तो स्पष्ट हो गया है कि अमेरिका और चीन के बीच मौजूदा समस्या की जड़ में रेयर अर्थ और मैग्नेट का मसला है। रेयर अर्थ मैग्नेट सामान्य आयरन मैग्नेट से 20 गुना अधिक ताकतवर होता है और कारों तथा कई अन्य उपकरणों में लगने वाली इलेक्ट्रिक मोटरों को बनाने के लिए जरूरी है। 17 प्रकार की धातुओं को रेयर अर्थ के नाम से जाना जाता है। ऐसा नहीं कि ये दुर्लभ हैं। ये पूरी दुनिया में पाए जाते हैं। लेकिन सिर्फ चीन में ही ऐसे भंडार हैं, जहां आसानी से इनका खनन किया जा सकता है। चीन के पास ही इनकी प्रोसेसिंग की क्षमता है। चूंकि इन तत्वों को एक–दूसरे से अलग करना मुश्किल है, इसीलिए इन्हें रेयर कहा जाता है। इनको अलग करने की जटिल प्रक्रिया में भारी मात्रा में एसिड की जरूरत होती है। रेयर अर्थ की वैश्विक सप्लाई चेन में चीन का दबदबा है। इनका 70 प्रतिशत खनन और 90 प्रतिशत प्रोसेसिंग अकेला चीन करता है। ये विंड टर्बाइन, रक्षा उपकरणों और इलेघ्क्ट्रिक वाहनों से लेकर हर चीज में काम आते हैं। आधुनिक इंडस्ट्री में इनका महत्व यों समझा जा सकता है कि जैसे ही चीन ने रेयर अर्थ और मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए, भारत में सुजूकी कंपनी को अपनी लोकप्रिय स्विफ्ट कार का निर्माण टालने के लिए मजबूर होना पड़ा। विश्व की अन्य कार कंपनियों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। अप्रेल में जब ट्रम्प ने अपने लिबरेशन डे टैरिफ की घोषणा की तो चीन ने सात प्रकार की रेयर अर्थ धातुओं तथा इनसे बनने वाली सुपर पॉवरफुल मैग्नेट का निर्यात रोक दिया, क्योंकि ये चीजें सैन्य और नागरिक, दोनों प्रकार के उपयोग में आती हैं। 2010 में जापान से सीमा विवाद के बाद भी चीन ने इनका निर्यात रोका था। रेयर घ्अर्थ की आपूर्ति बहाल करने में चीन की धीमी गति के कारण ही जेनेवा समझौता टूट गया था। अधिकतर रेयर अर्थ मैग्नेट नियोडिमियम और प्रेसियोडीमियम से बनी होती हैं। इसमें डायस्प्रोसियम और टर्बियम मिलाएं तो यह मैग्नेट ताप के प्रति और अधिक प्रतिरोधी बन जाता है। जिन रेयर अर्थ का निर्यात चीन ने रोका, उनमें सैमेरियम का उपयोग इंटर कॉन्टिनेंटल बैलेस्टिक मिसाइलों के गाइडेंस–सिस्टम में होता है। लड़ाकू विमान एफ–35 में कई किलोग्राम सैमेरियम काम आता है। यट्रियम का उपयोग लेजर बनाने और स्कैंडियम का उपयोग हल्के विमानों के पुर्जे बनाने में होता है। लेकिन इन तत्वों का सैन्य उपयोग महज 5 प्रतिशत ही है। भारत को भी क्लीन एनर्जी, विंड टर्बाइन, मिसाइल गाइडेंस और सेमी कंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए रेयर अर्थ तत्वों की जरूरत है। 2023–24 में हमने 2270 टन रेयर अर्थ आयात किया था। इसमें अधिकतर हिस्सा चीन से आया था। भारत में भी रेयर अर्थ के भंडार हैं, जो वैश्विक भंडारों के लगभग 6 प्रतिशत हैं। केरल में थोरियम सैंड के अलावा आंध्रप्रदेश, ओडिशा, राजस्थान में भी इसके भंडार हैं। लेकिन दुनियाभर की आपूर्ति का महज एक प्रतिशत हिस्सा ही भारत में उत्पादित होता है। रेयर अर्थ के लिए चीन पर निर्भर होना सही नहीं होगा, क्योंकि इससे उसे हम पर प्रभावी होने का मौका मिलता है। अब यह जरूरी है कि भारत अपने स्तर पर इनका उत्पादन शुरू करे और अन्य देशों में भी खनन की संभावनाएं देखे। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

जेल में बंद युवक की संदिग्ध हालात में मौत

सतरिख थाना पुलिस ने 22 जून को आकाश को उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेजा था

बाराबंकी (संवाददाता)। जानलेवा हमले के आरोप में वारंट जारी होने के बाद जेल भेजे गए एक युवक की 36 घंटे बाद ही संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने जेल प्रशासन पर लापरवाही बरतने और सच्चाई छुपाने का आरोप लगाया है। तनाव व आक्रोश को देखते हुए भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में वीडियोग्राफी के बीच पोस्टमार्टम की कार्रवाई हुई। मृतक आकाश मिश्रा जैदपुर कस्बे के ब्रह्मनान मोहल्ले का रहने वाला था। मां सतीश कुमारी स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं। परिजनों के अनुसार, आकाश पर पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज थे। हाल ही में एक जानलेवा हमले की पेशी में न जाने पर कोर्ट ने उसके खिलाफ वारंट जारी किया था। सतरिख थाना पुलिस ने 22 जून को आकाश को उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जेल प्रशासन के अनुसार 23 जून की शाम आकाश की तबीयत अचानक बिगड़ गई। प्राथमिक इलाज के बाद भी जब सुधार नहीं हुआ तो उसे 24 जून की शाम जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां देर रात उसकी मौत हो गई।मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि उन्हें बेटे की हालत बिगड़ने की सूचना समय से नहीं दी गई। जब वह जिला अस्पताल पहुंचीं, तब तक आकाश की मौत हो चुकी थी और उन्हें बेटे का चेहरा तक नहीं देखने दिया गया। परिजनों का आरोप है कि आकाश की मौत की सूचना उन्हें चार घंटे की देरी से दी गई। बताया कि उसके चेहरे पर भी हल्की चोट के निशान मिले हैं। आशंका जताई कि जेल में उसके साथ मारपीट की गई है।उनका कहना है कि आकाश के साथ जेल में कुछ गलत हुआ है। इसकी गहन जांच होनी चाहिए। वहीं जेलर संतोष तिवारी ने बताया कि आकाश गंभीर बीमारी से पीड़ित था और उसे दौरे पड़ते थे। जेल में मौजूद चिकित्सकों ने भी इसकी पुष्टि की है। पुलिस के अनुसार आगे की कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर तय होगी।चार बेटियों के सिर से उठा पिता का साया आकाश ने गैर समुदाय की एक युवती से प्रेम विवाह किया था।

बाग में मिला युवती का शव, प्रेमी पर हत्या का आरोप

बाराबंकी (संवाददाता)। रामनगर कोतवाली क्षेत्र के तालपाल पुरवा गांव में बुधवार सुबह बाग में युवती का शव संदिग्ध दशा में मिला। शव नीम के पेड़ के सहारे ऐसे टिका था जैसे युवती बैठी हो। उसके मुंह से खून निकल रहा था, साथ ही गले में चोट के निशान भी मिले हैं। परिजनों ने युवती के प्रेमी पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ करने के साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।तालपाल पुरवा निवासी मुन्नालाल के मुताबिक उनकी तीन बहनें हैं। माता–पिता का निधन हो चुका है। दूसरे नंबर की बहन नीरज कुमारी (30) का बीते आठ साल से गांव के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। गांव में मकान के अलावा बाहर की ओर अहाता है। रात करीब आठ बजे खाना खाने के बाद नीरज कुमारी परिजनों के साथ सोने चली गई थी।

तार पर कपड़े फैलाते समय लगा करंट, मां-बेटी की मौत

बाराबंकी (संवाददाता)। कस्बा असंद्रा में बुधवार दोपहर लोहे के तार पर सूखने के लिए कपड़े डालते समय मां–बेटी करंट की चपेट में आ गई। इस हादसे में दोनों की ही मौत हो गई। कपड़े फैलाते समय पहले युवती फिर उसकी मां करंट की चपेट में आई। करंट से झुलसी मां–बेटी को परिजन इलाज के लिए एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने परीक्षण के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक हादसे से परिवार में कोहराम मचा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। युवती एक निजी स्कूल में शिक्षिका थी।असंद्रा थाने से चंद कदमों की दूरी पर असंद्रा कस्बे के पट्टी सैयद मोहल्ला निवासी अली हैदर की पत्नी कनीज फातिमा (45) बुधवार को पुत्री चमन जहरा (22) के साथ घर में कपड़े धो रही थी। कपड़ों को सूखने के लिए चमन जहरा घर के सामने रखे टिनशेड में लगे लोहे के पाइप से बंधे लोहे के तार पर फैलाने लगी। जैसे ही उसका हाथ तार से छुआ वह तार में प्रवाहित करंट की चपेट में आ गई। उसको तड़पता देख बदहवास मां कनीज फातिमा उसे बचाने दौड़ी तो वह भी करंट की चपेट में आ गई। मां–बेटी को करंट से चिपकता देख मौजूद पड़ोसी युवक मोहम्मद ने शोर मचाना शुरू कर दिया। मौके पर पहुंचे आसपास के लोगों ने सूखे डंडे के सहारे तार से चिपकी मां–बेटी को छुड़ाया।

बाग में मिला युवती का शव, प्रेमी पर हत्या का आरोप

बाराबंकी (संवाददाता)। रामनगर कोतवाली क्षेत्र के तालपाल पुरवा गांव में सुबह बाग में युवती का शव संदिग्ध दशा में मिला। शव नीम के पेड़ के सहारे ऐसे टिका था जैसे युवती बैठी हो। उसके मुंह से खून निकल रहा था, साथ ही गले में चोट के निशान भी मिले हैं। परिजनों ने युवती के प्रेमी पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ करने के साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। तालपाल पुरवा निवासी मुन्नालाल के मुताबिक उनकी तीन बहनें हैं। माता–पिता का निधन हो चुका है। दूसरे नंबर की बहन नीरज कुमारी (30) का बीते आठ साल से गांव के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। गांव में मकान के अलावा बाहर की ओर अहाता है। मंगलवार की रात करीब आठ बजे खाना खाने के बाद नीरज कुमारी परिजनों के साथ सोने चली गई थी।

रीवां माइनर कटने से खेतों में भरा पानी

बाराबंकी (संवाददाता)। तहसील क्षेत्र के बिसाही मजरे जाफरपुर गांव के पास मंगलवार की देर रात रीवां माइनर कटने से खेतों में पानी भर गया। पानी भरने से कई किसानों की धान की बेरन जलमग्न हो गई। किसान हंसराज, अंकित व पुष्पेन्द्र आदि ने बताया कि फसल में पानी ज्यादा भर जाने से बेरन के नष्ट होने का अंदेशा सताने लगा है। सिंचाई विभाग को नहर की पटरी कटने की सूचना दिए जाने के 10 घंटे बाद बुधवार को कर्मचारी मौके पर पहुंचे। मगर तेज बहाव के कारण कटी हुई माइनर की मरम्मत नहीं हो सकी। ऐसे में किसानों की मदद से किसी तरह कटान को बंद कराया गया। किसान हंसराज ने बताया कि बेरन नष्ट होने से अब दोबारा करनी पड़ेगी। इससे धान की फसल अब करीब 15 दिन बिलंब से रोपी जाएगी।

आज भी ढिबरी के सहारे एक गांव

बाराबंकी (संवाददाता)। यह सुनकर अचंभा होगा कि स्मार्ट सिटी और डिजिटल इंडिया के इस दौर में जिले का एक गांव अभी भी ढिबरी व मोमबत्ती की रोशनी के सहारे है। आजादी के 77 साल बाद भी जिले के जहांगीराबाद क्षेत्र के गड़रियनपुरवा गांव में अभी तक बिजली के बल्ब की रोशनी नहीं पहुंची है। बचपन से गांव में बिजली आने का इंतजार कर रहे लोगों का सपना बुढ़ापे तक अधूरा बना है। जहांगीराबाद क्षेत्र का यह गांव शाम होते ही अंधेरे में डूब जाता हैं। यहां के बच्चे ढिबरी युग में पढ़–बढ़ रहे हैं। बिजली के बल्ब की रोशनी का इंतजार कर रहे यहां के बुजुर्गों को उम्मीद है कि शायद उनके बच्चों को बिजली की सुविधा मयस्सर हो सकेगी।

बाढ़ से बचाव का पूर्वाभ्यास

सीतापुर (संवाददाता) रामपुर मथुरा (सीतापुर)। बाढ़ के पानी में फंसकर डूब रहे व्यक्ति को बचाने का पूर्वाभ्यास बृहस्पतिवार को किया गया। अस्पताल लाकर इलाज किए जाने के तौर–तरीके भी दर्शाए जाएंगे। इसके लिए कस्बा स्थित मैदान में अस्थायी अस्पताल बनाया गया है।

एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की तैयारियां पूरी हो गई हैं।बृहस्पतिवार को बाढ़ से राहत व बचाव को लेकर मॉकड्रिल होगी। सरयू नदी की भीषण बाढ़ व कटान से प्रतिवर्ष भारी नुकसान होता है। इस आपदा से होने वाले नुकसान से बचाव या नुकसान को कम करने के लिए प्रशासन ने चाक–चौबंद तैयारियां की हैं।कस्बा स्थित मेला मैदान व प्राथमिक विद्यालय परिसर में बुधवार को तैयारियां मुकम्मल कर ली गई हैं। सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुशील वर्मा ने बताया कि टेंट का अस्थायी अस्पताल बनाया गया है। यहां हॉस्पिटल के सारे काउंटर तैयार किए जा रहे है। किस प्रकार पीड़ित को सुविधाएं मिलेंगी, इसका पूरा पूर्वाभ्यास किया जाएगा। डूबते लोगों को रेस्क्यू करने व घरों के जमींदोज होते वक्त लोगों को सुरक्षित करने का पूर्वाभ्यास भी किया जाएगा। महमूदाबाद के तहसीलदार अनिल कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा फील्ड हॉस्पिटल रेस्क्यू मेडिकल यूनिट की स्थापना की गई है। एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की तैयारियां भी पूरी हैं। कोलैप्स के लिए बांस–बल्ली की व्यवस्था हो चुकी है। संबंधित अधिकारियों व जिम्मेदार लोगों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए हैं।

जंगली जानवर दिखने पर वन विभाग को सूचना दें ग्रामीण

सीतापुर (संवाददाता) ।। मानव–वन्य जीव संघर्ष का मुख्य कारण वन क्षेत्र में मनुष्य का अतिक्रमण है। इस संघर्ष को रोकने के लिए जन जागरूकता बहुत ही आवश्यक है। ये बातें सब डिवीजनल फॉरेस्ट अफसर विकास कुमार यादव ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में चल रही कार्यशाला में कहीं।उन्होंने कहा कि सामान्य तौर पर वन्य जीव मनुष्य पर हमला नहीं करते हैं लेकिन ऐसे अनेक कारण हैं जिससे यह मनुष्य के क्षेत्र में भी आने लगे हैं। ऐसे में अगर कोई घातक वन्य जीव दिखाई दे तो ग्रामीण इसकी तुरंत सूचना वन विभाग को दें। वनकर्मी तत्काल उस क्षेत्र में पहुंचकर समस्या का हल निकालेंगे।उन्होंने इस समस्या के निदान के लिए विद्यालयों और ग्राम पंचायत स्तर पर जन जागरूकता कार्यक्रम करने पर बल दिया। अपने–अपने क्षेत्र की समस्याएं बताईं जिनका वन अधिकारियों ने निदान बताया।

बकरी चराने गए बुजुर्ग का शव चार दिन बाद नहर में मिला

बेटे ने पिता की मौत की जांच की मांग की मुन्नालाल ने बताया कि उनके पिता काफी बुजुर्ग थे

सीतापुर (संवाददाता) । क्षेत्र के सहादतनगर निवासी बुजुर्ग चार दिन पहले बकरी चराने घर से निकले थे। देर शाम तक जब वापस नहीं आए तो परिजनों ने तलाश की। नहर के किनारे उनका चश्मा, अंगौछा व डंडा मिला था। पारा गांव के पास नहर में उनका शव उतराता मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।सहादतनगर निवासी मिश्री लाल (70) गांव के पश्चिम नहर के किनारे बकरी चराने गए थे। देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटे तो परिजनों ने तलाश शुरू की। नहर के किनारे उनका चश्मा, अंगौछा व डंडा पड़ा मिला था। परिजनों को आशंका हुई कि वह कहीं चले गए हैं। इसके बाद थाना इमलिया सुल्तानपुर पुलिस को सूचना दी।आसपास के गन्ने के खेतों में ड्रोन कैमरे से उनकी तलाश की गई। साथ ही नहर का पानी बंद करवाकर पुलिस ने तलाश करवाई। बुधवार सुबह सहादतनगर से करीब छह किमी दूर पारा गांव के निकट मिश्री लाल का शव नहर में उतराता हुआ दिखा। शव मिलने की सूचना पाकर सहादतनगर निवासी मुन्ना लाल भी मौके पर पहुंचे। थानाध्यक्ष इमलिया सुल्तानपुर श्यामू कनौजिया ने बताया कि मिश्री लाल रविवार को बकरी चराने गए थे। नहर के किनारे लगे पेड़ के किनारे बैठा थे, अचानक गिर गए। काफी तलाशा गया मगर पता नहीं चला था। बुधवार को पारा के निकट नहर में शव उतराता हुआ मिला।बेटे ने पिता की मौत की जांच की मांग की मुन्नालाल ने बताया कि उनके पिता काफी बुजुर्ग थे। वह नहर में कैसे गिर गए, इसकी जांच होनी चाहिए। पिता को ड्रोन कैमरे की मदद से भी तलाशा गया था। चार दिन से उनका कुछ पता नहीं चल रहा था। इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। नहर के किनारे उनका चश्मा, अंगौछा व डंडा मिला था। पारा गांव के पास नहर में उनका शव उतराता मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।सहादतनगर निवासी मिश्री लाल (70) गांव के पश्चिम नहर के किनारे बकरी चराने गए थे। देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटे तो परिजनों ने तलाश शुरू की। नहर के किनारे उनका चश्मा, अंगौछा व डंडा पड़ा मिला था। परिजनों को आशंका हुई कि वह कहीं चले गए हैं। इसके बाद थाना इमलिया सुल्तानपुर पुलिस को सूचना दी।आसपास के गन्ने के खेतों में ड्रोन कैमरे से उनकी तलाश की गई। साथ ही नहर का पानी बंद करवाकर पुलिस ने तलाश करवाई। बुधवार सुबह सहादतनगर से करीब छह किमी दूर पारा गांव के निकट मिश्री लाल का शव नहर में उतराता हुआ दिखा। शव मिलने की सूचना पाकर सहादतनगर निवासी मुन्ना लाल भी मौके पर पहुंचे। थानाध्यक्ष इमलिया सुल्तानपुर श्यामू कनौजिया ने बताया कि मिश्री लाल बकरी चराने गए थे।

स्निफर डॉग ने बढ़ाई अनहोनी की आशंका और पुलिस की चिंता

संदिग्ध हालात में खजोहना गांव से तीन साल का मासूम लापता हो गया, तलाश में जुटी पुलिस

हरदोई (संवाददाता)। संदिग्ध हालात में कछौना कोतवाली क्षेत्र के खजोहना गांव से तीन साल का मासूम लापता हो गया। उसकी तलाश के लिए उन्नाव से डॉग स्क्वायड बुलवाया गया। स्निफर डॉग ने मासूम के कपड़ों की गंध लेने के बाद 150 मीटर दूर नहर तक दौड़ लगाई। नहर में जाने के बाद स्निफर डॉग काफी देर तक वहीं रुक गया। स्निफर डॉग से मिले संकेतों से पुलिस की चिंता के साथ ही अनहोनी की आशंका भी बढ़ गई। खजोहना निवासी गुड्डू जरदोजी करते हैं। परिवार में पत्नी हिना, पुत्र अरहन (3) और नौ माह का एक पुत्र है। गुड्डू के मुताबिक मंगलवार को सुबह साढ़े नौ बजे हिना ने अरहन को नहलाया था। इसके बाद अरहन मकान के बाहर खेलने चला गया। कुछ देर बाद वह वापस नहीं आया तो परिजनों ने तलाश शुरू की। कोई सुराग न मिलने पर दोपहर बाद साढ़े तीन बजे पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी नृपेंद्र ने कछौना कोतवाली में ही डेरा डाल दिया। मौके का निरीक्षण करने के बाद सीसीटीवी कैमरों और सर्विलांस के जरिये बच्चे की तलाश कराई गई। देर रात उन्नाव से स्निफर डॉग बुलवाया गया। गुड्डू के घर में कुछ देर रुकने के बाद डॉग घर से लगभग 150 मीटर दूर से निकली नहर के पास तक दौड़ता हुआ गया। इसके बाद यहीं काफी देर रुका रहा। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी नृपेंद्र ने बताया कि बच्चे को सकुशल खोजने के लिए कई टीमें लगाई गई हैं। आसपास के जनपदों से भी मदद ली जा रही है। पुलिस अरहन की गुमशुदगी के बाद हर बिंदु पर जांच कर रही है। इसी दौरान पता चला कि गुड्डू की पहली शादी वर्ष 2019 में बालामऊ निवासी एक महिला के साथ हुई थी। उक्त महिला की नजदीकियां उन्नाव जनपद के फतेहपुर चौरासी निवासी एक युवक से थीं। शादी के कुछ माह बाद ही गुड्डू और उसकी पत्नी के बीच अलगाव हो गया था। पहली पत्नी से उसके कोई बच्चे नहीं हैं। वर्ष 2021 में गुड्डू की शादी राघौपुर निवासी हिना के साथ हुई।

हिना से गुड्डू के दो बच्चे हैं। पुलिस पारिवारिक रिश्तों पर भी घटना को लेकर जांच कर रही है। उसकी तलाश के लिए उन्नाव से डॉग स्क्वायड बुलवाया गया। स्निफर डॉग ने मासूम के कपड़ों की गंध लेने के बाद 150 मीटर दूर नहर तक दौड़ लगाई। नहर में जाने के बाद स्निफर डॉग काफी देर तक वहीं रुक गया। स्निफर डॉग से मिले संकेतों से पुलिस की चिंता के साथ ही अनहोनी की आशंका भी बढ़ गई। खजोहना निवासी गुड्डू जरदोजी करते हैं। परिवार में पत्नी हिना, पुत्र अरहन (3) और नौ माह का एक पुत्र है। गुड्डू के मुताबिक मंगलवार को सुबह साढ़े नौ बजे हिना ने अरहन को नहलाया था।

कोरौंध और गोनी की माटी में खेले शुभांशु अब अंतरिक्ष की सैर पर

हरदोई (संवाददाता)। अनगिनत लोगों की शुभकामनाओं के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष के लिए उड़ान भर दी है। उनकी इस उपलब्धि पर उनके पैतृक गांव और ननिहाल में खुशी का माहौल है। शुभांशु मूलरूप से भरावन विकास खंड के कोरौंध गांव के रहने वाले हैं। उनका ननिहाल भी इसी विकास खंड के गोनी गोंडवा गांव में है। उनके शुभ चिंतकों, दोस्तों और रिश्तेदारों ने उनकी उपलब्धि पर गांव में मिठाई और फल बांटकर खुशी जताई। अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बनने का गौरव हासिल करने वाले शुभांशु शुक्ला यूं तो पिछले कई साल से गांव नहीं आए, लेकिन बचपन में यहां खूब आते थे। यहीं के मैदान और मिट्टी में खेलते थे। शुभांशु के पिता शंभू दयाल शुक्ला लखनऊ सचिवालय में सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त हो चुके हैं। मां आशा शुक्ला ग्रहिणी हैं। शुभांशु के पैतृक गांव में विवेक सिंह, अमित सिंह, रामदत्त शर्मा, राजाराम गौतम आदि ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराया और खुशी जताई।

महिला अस्पताल से नवजात चोरी, पीड़ित पिता बोला- झपकी लगी..जागे तो गायब था, जांच में जुटी पुलिस

हरदोई (संवाददाता)। हरदोई जिले में मेडिकल कॉलेज से संबद्ध महिला चिकित्सालय से नवजात चोरी हो गया। बृहस्पतिवार सुबह लगभग तीन बजे हुई घटना का पता चलने पर सनसनी फैल गई।

हरियावां थाना क्षेत्र के बिलाहरि गांव निवासी शिवानंद दीक्षित ने बीती 19 जून को प्रसव पीड़ा होने पर अपनी पत्नी को महिला अस्पताल में भर्ती कराया था। ऑपरेशन के बाद उन्होंने बेटे को जन्म दिया था। शिवानंद के मुताबिक रात दो बजे तक वह जागता रहा। इसके बाद झपकी लग गई। लगभग तीन बजे जब वह जागा, तो बच्चा मौजूद नहीं था। इसके बाद उसने काफी तलाश भी किया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने यूपी 112 पर सूचना दी। जानकारी पर सीओ सिटी अंकित मिश्रा, शहर कोतवाल संजय त्यागी और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटना की जांच की जा रही है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार मुंशी की मौत

बेहंदर। संडीला–मल्लावां मार्ग पर कहली गांव के पास पिकअप ने बाइक सवार मुंशी को टक्कर मार दी। बुधवार दोपहर हुई घटना में मुंशी की मौत हो गई। कासिमपुर थाना क्षेत्र के कहली गांव निवासी रामगोपाल (50) संडीला तहसील में एक अधिवक्ता के पास मुंशी थे। रोज की तरह वह बुधवार सुबह बाइक से संडीला गए थे। काम खत्म करके दोपहर में वह वापस घर जा रहे थे। इस दौरान संडीला–मल्लावां मार्ग पर कहली गांव के पास ही पीछे से पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी।

हाईवे पर दोपहिया वाहनों का बाजार, चलना दुश्वार

बाराबंकी (संवाददाता)। शहर से होकर गुजरे लखनऊ–अयोध्या हाईवे की पटरी पर दोपहिया वाहनों का बाजार सजने से वाहन तो छोड़िए लोगों का पैदल चलना तक दुश्वार है। सड़क पर ही वाहनों की होने वाली बेतरतीब पार्किंग के कारण आए दिन वाहन चालकों को घंटों जाम की परेशानी से जूझना पड़ता है। शिकायत के बाद भी हाईवे पटरी को अतिक्रमण मुक्त बनाने को लेकर जिम्मेदार उदासीन बने हैं। इससे बेखौफ तरह से पटरी पर दोपहिया व चार पहिया वाहनों की मरम्मत के साथ अस्थायी दुकानें संचालित हो रही हैं। नगर पालिका परिषद के ईओ संजय कुमार शुक्ला ने बताया कि सड़क पर दोपहिया व चार पहिया वाहन खड़े करने के साथ पटरी पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ संयुक्त टीम गठित कर कार्रवाई शुरू की जाएगी।

नशे की लत को भुना रहा ऑनलाइन बाजार.. .युवा खरीद रहे ड्रग्स, हो रहे बीमार

गोरखपुर (संवाददाता)। सोशल मीडिया के खतरे हजार हैं। इस प्लेटफॉर्म पर कई ऐसे वेबसाइट उपलब्ध हैं, जहां से युवाओं को आसानी से ड्रग्स मिल जा रहे हैं। यही नहीं, इलाज के लिए मिलने वाली दवाओं का नशे के लिए धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसकी लत युवाओं को बीमार बना रही है। दो–चार रुपये में मिलने वाली इन दवाओं को मानक से ज्यादा इस्तेमाल कर युवा पीढ़ी नशे की आगोश में डूब जा रही है। अब जब दवा की दुकानों पर सख्ती बढ़ी है तो ऑनलाइन बाजार से सिंथेटिक दवाओं की खरीदारी कर युवा अपनी लत पूरा करने में लगे हैं। इससे जहां उन्हें संक्रमण और बीमारी घेर रही है, वहीं विभाग भी तमाम कोशिशों के बाद भी इस पर लगाम लगाने में नाकाम है। नारकोटिक्स विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इन दिनों कुछ युवाओं ने नशे के ट्रेंड को बदल दिया है। पुराने परंपरागत नशे के मादक पदार्थों के दाम बढ़ने और इनकी सीधी निगरानी होने से लती युवा अब ऑनलाइन वेबसाइट और एप के जरिये सिंथेटिक ड्रग्स की बुकिंग करवा रहे हैं।

इससे नशीला पदार्थ (सिंथेटिक ड्रग्स) इन तक आसानी से पहुंच जा रहा है। जो दवा बीमारी से निजात दिलाने के लिए बनाई गई है, उसका उपयोग अब युवाओं अपने नशे के लिए कर रहे है। इसके लिए अब पान, बीड़ी, सिगरेट और शराब के अलावा कम खर्च में नशीली दवा सिरप और इंजेक्शन का उपयोग अधिक हो रहा है। दर्द और एलर्जी से राहत दिलाने के लिए बनाई गईं दवाओं का इस्तेमाल युवा नशे के लिए करने लगे हैं। दवा के एक व्यापारी ने बताया कि पैंटविन इंजेक्शन, कोरेक्स सीरप और स्पास्मो प्रॉक्सीवान कैप्सूल का उपयोग नशे के लिए किया जा रहा है।

तहसीलों में अलग शिकायतें मिली... मानी जाएगी लापरवाही

गोरखपुर (संवाददाता)। सीएम तक पहुंचने वाली जमीन विवाद की शिकायतों पर रोक लगाने के लिए डीएम ने नई पहल की है। इसके लिए लेखपालों को सभी गांवों के भूमि विवाद रजिस्टर बनाने और थाना स्तर पर इसका निस्तारण कराने के निर्देश दिए हैं। इसकी मॉनिटरिंग डीएम खुद करेंगे। स्थानीय स्तर पर इन शिकायतों का निस्तारण नहीं होने पर फरियादी सीएम के जनता दर्शन कार्यक्रम तक पहुंचते हैं और वहां अधिकारी उन्हें रोकने की कोशिश करते हैं। ऐसे ही मामले में फरियादियों को न रोक पाने पर हाटा एसडीएम ने कानूनगो और तीन लेखपालों पर कार्रवाई की थी। जानकारी होने पर डीएम ने कार्रवाई का आदेश निरस्त कर दिया और सुधार के लिए नई व्यवस्था बनाई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब गोरखपुर आते हैं तो मंडल के अन्य जिलों के लोग भी अपनी फरियाद लेकर पहुंचते हैं। इसके लिए जिलों से भी तहसीलदार, राजस्वकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाती है, ताकि शिकायतकर्ता के वास्तविक मामलों की जानकारी हो सके।

सपाइयों का विरोध, धक्का-मुक्कीय जमींदारों की जमीन पर बने मकान,अब मुआवजे पर पेंच

गोरखपुर (संवाददाता)। इस मामले से जुड़े राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अफसर ने बताया कि वर्ष 1952 में यूपी में जमींदारी उन्मूलन एक्ट लागू हुआ। उससे पहले अधिकांश जमीन किसी न किसी रियासत या जमींदार की थी। एक्ट लागू होने के बाद जहां खेत था, उसका किसानों में बंटवारा हो गया। चकबंदी के दौरान उस पर किसानों का नाम दर्ज कर दिया गया, लेकिन जहां घर बन गए थे, उस जमीन की नवैयत (स्थिति) नहीं बदली। धीरे–धीरे लोगों ने कच्चे से पक्के मकान बनवा लिए, आपसी बंटवारा के बाद उनके स्वरूप में परिवर्तन आया। शहर में बन रहे विरासत गलियारा से प्रभावित दुकानदारों से मिलने जा रहे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और विधान परिषद में सपा के नेता लालबिहारी यादव को बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने पांडेयहाता मोड़ पर रोक दिया। भाजपाइयों का आरोप था कि सपाई, दुकानदारों का उकसाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी को लेकर सपा और भाजपा कार्यकर्ताओं में आधे घंटे तक धक्का–मुक्की होती रही। इस दौरान एक सपा नेता की गाड़ी का शीशा भी टूट गया और उस पर लगा पार्टी का झंडा किसी ने निकाल दिया। बाद में पुलिस अफसरों ने भाजपा कार्यकर्ताओं को समझा–बुझाकर किनारे किया। इसके बाद सपा नेताओं ने विरासत गलियारा में जाकर प्रभावित दुकानदारों और मकान मालिकों से बात की। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने इसे विशेषाधिकार हनन का मामला बताया। उन्होंने कहा कि इस मामले को वह विधानसभा में उठाएंगे। वहीं लालबिहारी यादव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पूरे प्रकरण की जानकारी देने और उनके निर्देश पर अगला कदम उठाने की बात कही। रिकॉर्ड में नाम दर्ज न होने की वजह से विरासत गलियारा के लिए चौड़ीकरण से प्रभावित करीब 300 लोगों को जमीन का मुआवजा नहीं मिला है। बीते शनिवार की रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विरासत गलियारा के निरीक्षण के दौरान प्रभावित सभी लोगों को मुआवजा देने के निर्देश दिए थे। उससे पहले अधिकांश जमीन किसी न किसी रियासत या जमींदार की थी। एक्ट लागू होने के बाद जहां खेत था, उसका किसानों में बंटवारा हो गया। चकबंदी के दौरान उस पर किसानों का नाम दर्ज कर दिया गया, लेकिन जहां घर बन गए थे, उस जमीन की नवैयत (स्थिति) नहीं बदली। धीरे–धीरे लोगों ने कच्चे से पक्के मकान बनवा लिए, आपसी बंटवारा के बाद उनके स्वरूप में परिवर्तन आया। शहर में बन रहे विरासत गलियारा से प्रभावित दुकानदारों से मिलने जा रहे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और विधान परिषद में सपा के नेता लालबिहारी यादव को बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने पांडेयहाता मोड़ पर रोक दिया।

बुजुर्ग पर दबंगों ने किया चाकुओं से हमला

सीतापुर (संवाददाता) । महोली की उरदौली बाजार में मंगलवार रात विवाद के बाद दबंगों ने बुजुर्ग पर चाकू से हमला कर दिया। जलालपुर निवासी रामलोटन (60) के अनुसार मंगलवार शाम वह कुसैला गांव के निकट खेतों में अपने मवेशी चरा रहे थे। उसी दौरान नेकपुर निवासी सीताराम, उनके पुत्र अनूप ने वहां आकर बेवजह विवाद शुरू कर दिया। राहगीरों के समझाने पर वे लोग धमकी देकर चले गए। रामलोटन ने बताया कि देर शाम उरदौली बाजार में सब्जी खरीदने के दौरान वहां पहले से मौजूद आरोपियों ने उनको लोहे की रॉड से पीटते हुए चाकू से हमला कर दिया। इससे बेसुध होकर वह जमीन पर गिर पड़े। घटना से बाजार में अफरातफरी मच गई।

आपातकाल का इतिहास एक काला अध्याय हो गया है। केन्द्रीय मंत्री राकेश सचान।

उतरौला बलरामपुरध्ध्द बुधवार को मनकापुर रोड पर स्थित रायल मैरेज हाल में आपात काल के पचास वर्ष बीत जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी की ओर से विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के कैबि नेट मंत्री राकेश सचान व विशिष्ट अतिथि अव ध क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री कैप्टन विकास सिंह भी मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री ने संगोष्ठी के दौरान अपने मां के नाम एक नीम का पौधा वृक्षा रोप ण करने के बाद मंत्री जी ने कहा कि 25जून 1975 का दिन भारत ध्के लोकतन्त्र का सबसे शर्मनाक और काला दिन था।पुरे देश में लगाईं गई एमरजेंसी को देश कभी नहीं भूलेगा।जो लोग संविधान हाथ में लेकर देश में घूम रहे हैं, उनकी ही पार्टी की प्रध ानमंत्री इंदिरा गांध ी ने संविधान का गला घोंटने का कार्य किया था। इंदिरा गांधी को सुप्रीम कोर्ट ने पद धारण को आयोग्य ठहरा दिया था। अपनी सत्ता और पद को बचाने के लिए लाखों लोगों को बिना कारण जेल में बन्द कर दिया गया था। उस समय मीडिया समाचार पत्र टेलीविजन और रेडियो सहित तमाम संचार के माध्यम पर प्रतिबंध लगाने का कार्य किया गया। सरकार के खिलाफ उठी हर आवाज को दबाने का कार्य किया गया है।आज पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर उस कांग्रेस द्वारा किए अत्याचार को बताने का कार्य करना चाहिए। और कांग्रेस से सवाल भी करना चाहिए। गोष्ठी में लोकतन्त्र सेनानियों को सम्मानित भी किया गया। बैठक में भाजपा के जिला अध्यक्ष रवि कुमार मिश्रा, उतरौला विधायक राम प्रताप वर्मा,सदर विधायक पल्टू राम, तुलसीपुर के विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आरती तिवारी, प्रदीप सिंह, चन्द्र प्रकाश सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष डाक्टर धीरेन्द्र प्रताप उर्फ धीरू सिंह,उतरौला ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि महि पाल चौधरी, उतरौला नगर पालिका अध्य क्ष प्रतिनिधि अनूप चन्द गुप्ता,गैडास बुजुर्ग ब्लाक प्रमुख राकेश तिवारी,संदीप कुमार वर्मा,फणींद्र गुप्ता,ओम प्रकाश गुप्ता, सहित भाजपा के सैक ड़ों पदाधिकारी व कार्य कर्ता मौजूद रहे।इसी दौरान उतरौला में आयोजित आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर केन्द्रीय मंत्री ने लोक तन्त्र रक्षक सेनानी चौध री इरशाद अहमद गद्दी, शिवप्रसादद्विवेदी, ओमप्रकाश त्रिपाठी, अयोध्या प्रसाद को अंग वस्त्र औरस्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मा नित किया गया। इसी के साथ साथ उन्होंने सालिक राम जय सवा ल,किशोरी लाल मोदन वाल, बरसाती शर्मा, नवल किशोर,मंगल प्रसाद,जुग्गी लाल, दलजीत सिंह, प्यारे लाल, मनीराम, रामा नन्द व जगराम को भी सम्मानित किया गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ग्राम मोहम्मदपुर कला के राप्ती नदी के घाट पर मॉकड्रिल हुई सम्पन्न

नदी में व्यक्ति के डूबने व गांव में बाढ़ का पानी भरने के पश्चात् बचाव हेतु किये गये उपाय का पूर्वाभ्यास सम्पन्न
मॉकड्रिल का उद्देश्य की गई तैयारियों का मूल्याकंन करना है–जिलाधिकारी
बाढ़ से बचाव हेतु युद्धस्तर पर की जा रही सभी तैयारियां–जिलाधिकारी
जिला प्रशासन के साथ पुलिस विभाग बाढ़ पीड़ितों की मदद में तत्पर–पुलिस अधीक्षक

श्रावस्ती, 26 जून, 2025। सू0वि0। सम्भावित बाढ़ को देखते हुए कुशलता के साथ बाढ़ पीडितों का बचाव करके सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना तथा तत्काल राहत देने के उद्देश्य से जनपद की तीनों तहसीलों में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया है। जिसके तहत जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अध ीक्षक घनश्याम चौरसिया की अध यक्षता में तहसील भिनगा के अन्तर्गत ग्राम मोहम्मदपुर कला में राप्ती नदी के घाट पर मॉकड्रिल सम्पन्न हुई। यह पूरी कार्यवाही आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, उ0प्र0 द्वारा तय कार्यक्रम के अनुसार करायी गई। मॉकड्रिल अभ्यास का मुख्य उद्देश्य तैयारी का मूल्यांकन करना और उसे बेहतर बनाना, बचाव हेतु मशीनरी और संबंधित राहत में लगे अधिकारियोंध कर्मचारियों के आपसी समन्वय का मूल्यांकन करना है। इसके अलावा एस0डी0आर0एफ0 टीम द्वारा राप्ती नदी में डूबते हुए व्यक्ति को बचाने की मॉकड्रिल की गई, जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ से बचाव हेतु आज जनपद की तीनों तहसीलों में मॉकड्रिल का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें व्यक्तियों के बाढ़ में डूबने से लेकर राहत सामग्री पहुंचाने तक का पूर्वाभ्यास किया गया है। उन्होने बताया कि बाढ़ से बचाव हेतु युद्धस्तर पर सभी तैयारियां की जा रही है। जिसमें उचित स्थानों पर बाढ़ शरणालय बनाये गये है। सभी बाढ़ चौकी प्रभारियों एवं चौकी पर तैनात अधिकारियोंध्कर्मचारियों को ड्यूटी पर सक्रिय रहने के निर्देश दिये गये है। प्रत्येक बाढ़ चौकी पर बरसात में होने वाली संक्रामक बीमारियों से बचाव हेतु दवाओं के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम भी लागायी गयी है। इसके अलावा जिला स्तर पर कन्ट्रोलरूम का संचालन भी किया जा रहा है।

उन्होने बताया कि मॉकड्रिल का मुख्य उद्देश्य राहत के लिए की गई तैयारियों का मूल्याकंन करना है कि हम कैसे बाढ़ पीड़ितों को समय रहते बाढ़ के पानी से बचा सकते है। वर्तमान स्थित में बाढ़ का पानी घट रहा है परन्तु फिर भी जिला प्रशासन द्वारा कार्ययोजना पहले से ही बना लिया गया है तथा सम्भावित बाढ़ से बचाव हेतु व्यापक इंतजाम किये जा चुके हैं। यह माकड्रिल हमे अपनी तैयारियों को परखने का मौका देती है। इस दौरान जो भी कमी होती है, उसे भी समय रहते पूरा करा लिया जायेगा, ताकि आपदा के समय कोई परेशानी न उठानी पड़े।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मॉकड्रिल में पुलिस के जवानों द्वारा भी सहयोग प्रदान किया जा रहा है। यदि सम्भावित बाढ़ आती है तो इसमें जिला प्रशासन के साथ पुलिस विभाग द्वारा पूरी तत्परता के साथ कार्य कर बाढ़ पीड़ितों की मदद कर उन्हें राहत पहुंचायी जाएगी।

संभावित बाढ़ से बचाव हेतु मॉकड्रिल में जनपद के बाढ़ आपदा से सम्बन्धित राजस्व विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, बाढ़ खण्ड, सिंचाई विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग, नागरिक सुरक्षा विभाग, पुलिस विभाग, फ्लड पी0ए0सी0, फायर ब्रिगेड के सहयोग से आयोजित हुआ। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा जानवरों के रहने व चारे की व्यवस्था की गई। बाढ़ शरणालय में भोजन, दवा, बिस्तर और सुरक्षा व्यवस्था के इन्तेजाम किये गये थे। सम्पूर्ण मॉकड्रिल का समन्वय व संचालन आपदा विशेषज्ञ अरूण कुमार मिश्रा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0के0 सिंह, उपजिलाधिकारी भिनगा आशीष भारद्वाज, तहसीलदार भिनगा जागृति सिंह, अधिशासी अभियंता बाढ़ कार्य खण्ड, जिला पंचायत राज अधिकारी नन्दलाल सहित चिकित्सा विभाग की टीम व अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण तथा भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सरोवर में डूबकर किशोर की मौत

सीतापुर (संवाददाता)। इलाके के बस्तीपुरवा गांव निवासी किशोर की सरोवर में डूबकर मौत हो गई। वह अमावस्या पर पूजन–अर्चन के लिए तीर्थ के पास मौजूद मंदिर पर आए थे। अनियाकलां गांव में स्थित महामाई देवी माता मंदिर में अमावस्या के अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालु पूजा–अर्चना के लिए आते हैं। बुध वार को बस्तीपुरवा गांव के मजरा खानपुर मोहद्दीनपुर निवासी रामजी (17) मंदिर गए थे। वहां स्थित सरोवर में हाथ–पैर धुलते समय अचानक पैर फिसल जाने से वह गहरे पानी में चले गए जिससे वह डूबने लगे। मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया और उसको बाहर निकाल लिया। लोगों ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। परिजन उनको लहरपुर सीएचसी ले गए जहां चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया।

सड़क हादसे में युवक की मौत

सीतापुर (संवाददाता)। इलाके

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में आगामी त्याहारों के दृष्टिगत सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न

सभी अधिकारीगण जुलूस के दौरान रहेंगे भ्रमणशील–जिलाधिकारी
आगामी त्योहारों को देखते हुए बिजली, पानी एवं साफ–सफाई की मुकम्मल व्यवस्था करें सम्बन्धित अधिकारीगण–जिलाधिकारी
अपने–अपने क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इतंजाम करेंगें थानाध्यक्षगण–पुलिस अधीक्षक

श्रावस्ती, 26 जून, 2025। सू0वि0। आगामी त्योहारों में श्रावण मास, कांवड़ यात्रा, मोहर्रम एवं कजरी तीज को दृष्टिगत रखते हुए शान्ति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाये जाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की अध्यक्षता में सम्बन्धित नोडल अधिकारियों एवं पुलिस के अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन सभी त्योहारों को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। त्योहारों के दौरान कोई भी नई परम्परा कायम करने की कोशिश नही की जायेगी। जिससे अमन–चौन में बाधा उत्पन्न होने की आशंका हो। यदि कोई भी व्यक्ति अमन–चौन में बाधा उत्पन्न करने की कोशिश करते पाया जाए, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होने कहा कि सभी अधिकारी जुलूस के दौरान भ्रमणशील रहेंगे। कोई भी अधिकारी अपने कार्यालय में नहीं रहेगा। मोहर्रम त्योहार के दृष्टिगत जुलूस के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि ताजिए का साइज मानक के अनुरूप रहे तथा डी0जे0 में साउण्ड की ध्वनि अधिक न रहने पाये, जिससे की कोई भी घटना होने की स्थिति उत्पन्न हो। आने–जाने वाले मार्गो पर साफ–सफाई की व्यवस्था पूर्ण करा ली जाए, जिससे कोई दिक्कत न होने पाए। इसके लिए ग्राम सचिवों, लेखपालों एवं पंचायत सहायकों का सहयोग भी ले सकते है। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि जहां–जहां पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई है, वहां पर विशेष निगरानी रखी जाए। यदि कोई विसंगत स्थिति उत्पन्न होने की सम्भावना होती है तो तत्काल अपने उच्चाधिकारियों को सूचित किया जाए। जिससे मौके पर ही स्थिति पर संतुलन पाया जा सके।

उन्होने कहा कि आगामी त्योहारों को देखते हुए बिजली, पानी एवं साफ–सफाई की मुकम्मल व्यवस्था सम्बन्धित अधिकारीगण सुनिश्चित करें। उन्होने विद्युत विभाग के अभियंता को निर्देश दिया है कि रोस्टर के मुताबिक बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, और बार–बार हो रही बिजली कटौती रोकने के लिए कारगर कदम उठायें जाएं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में साफ–सफाई व पेयजल हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी वहीं नगर पालिका एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में साफ–सफाई एवं पेयजल हेतु सम्बन्धित अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिया गया है।

जिलाधिकारी ने मोहर्रम को शान्तिपूर्ण एवं व्यवस्थापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी उप जिलाधिकारियों, सम्बन्धित अधिकारियोंध्पुलिस क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिया है कि मोहर्रम त्योहार व आगामी पड़ने वाले त्यौहारों को शासन की गाइडलाइन के अनुसार शान्तिपूर्णध्सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाने के लिए अपने स्तर से समस्त तैयारियां पूर्ण करा लें, ताकि कोई भी समस्या किसी भी दशा में उत्पन्न न होने पाये। जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अपने–अपने क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के साथ ही त्योहार वाले दिन कड़ी सुरक्षा व निगरानी रखेगें।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मोहर्रम त्योहार को शान्तिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए सभी क्षेत्राधिकारियों व थानाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि अपने–अपने क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इतंजाम करेंगें। त्योहार वाले दिन सजग रहकर कडी निगरानी के साथ सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखेंगे। उन्होने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि अपने–अपने थानों पर पीस कमेटी की बैठक अवश्य करा लें, और लोगों को शान्तिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाने हेतु निर्देश दें। इसके लिए थानावार ताजियेदारों की सूची बनायी जाए और पूरा विवरण सहित त्योहार रजिस्टर में दर्ज भी किया जाए। जुलूसों के दौरान सादी वर्दी में महिला एवं पुरूष पुलिसकर्मी को तैनात किया जायेगा, ताकि अराजक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा सके।

बैठक का संचालन अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने किया।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी क्रमशः भिनगा आशीष भारद्वाज, इकौना ओम प्रकाश, जमुनहा प्रवीण यादव, उपजिलाधिकारी एस0के0 राय सहित समस्त थानाध्यक्षगण व अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित एक ज्ञापन नायब तहसीलदार उतरौला को सौंपा।

उतरौला बलरामपुर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राम दयाल यादव व विधान सभा अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ताओं ने इटावा में देविका पटेल व सन्त यादव कथा वाचक के साथ हुए अत्याचार के विरोध स्वरूप सपा के कार्यकर्ताओ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल महोदया को सम्बोधित एक ज्ञापन नायब तहसीलदार उतरौला को सौंपा। दिए गए ज्ञापन में कहा है कि थाना बकेवर दांदरपुर जनपद इटावा उत्तर प्रदेश में कथा वाचक मुकुट मणि नेत्र हीन ढोलक वादक श्याम कटेरिया सन्त सिंह यादव के द्वारा भागवत कथा किए जाने से क्षुब्ध होकर वर्चस्व वादियों ने कथा वाचकों के सिर मुडवाये तथा पेशाब छिड़क कर उन्हें अपमानित भी किया जिससे पूरा पीडीए समाज अपने आप को अपमानित महसूस कर रहा है। ऐसे आसमाजिक तत्वों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके उनके साथ कठोर से कठोर कार्यवाही किया जाएं। इस मौके पर प्रदेश सचिव शत्रोहन प्रसाद वर्मा, एजाज मलिक,महेश यादव बाबा साहेब वाहिनी विधान सभा अध्यक्ष राम सागर बौद्ध जिला उपाध्यक्ष परशुराम बौद्ध, जिला सचिव मोहसिन,मोहम्मद मुकी म खां,शनि यादव, निहा ल खां,राम दर्शन,राम आसरे यादव, मनोज कुमार यादव, मोहम्मद शकील इदरीसी, ध्रुव राज यादव सहित सपा के दर्जनों पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे, इससे पूर्व सपा पदाधि कारियों व द्वारा अम्बेड कर चौराहे पर स्थापित डाक्टर बाबा साहेबभीम राव अम्बेडकर जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

ऋण वसूली में बैंक ने दिखाई सख्ती, राजस्व टीम ने की कृषि भूमि की कुर्की

–इकौना और जमुनहा तहसीलों की भूमि बैंक के कब्जे में–

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा घूरमा परसिया ने गुरुवार को बकाया ऋण की वसूली के लिए कड़ा कदम उठाते हुए राजस्व विभाग की टीम के सहयोग से दो किसानों की कृषि भूमि की कुर्की की कार्यवाही को अंजाम दिया। यह कार्यवाही इकौना तहसील के ग्राम लखना और जमुनहा तहसील के ग्राम इमलिया नारायण की भूमि पर की गई।

बैंक के मुताबिक ऋणधारक छोटेलाल पुत्र राम हर्ष और तीरथराम पुत्र छोटेलाल पर कुल 6,84,585 का ऋण बकाया था। यह राशि लंबे समय से वसूली योग्य थी और 31 दिसंबर 2023 को खाते को एनपीए घोषित किया गया था। गुरुवार को नायब तहसीलदार इकौना अमित सिंह, संग्रह अमीन रमेश शुक्ला, लेखपाल, एवं बैंक की टीम में शामिल क्षेत्रीय प्रबंधक अमित वार्ष्णेय, शाखा प्रबंधक कुलदीप नारायण यादव, प्रबंधक कलामुद्दीन, प्रबंधक कुलदीप सिंह, एवं सहायक प्रबंधक गोपाल कुमार की उपस्थिति में यह कार्यवाही पूरी की गई। कुर्क की गई भूमि में ग्राम लखना स्थित गाटा संख्या 04, 05 (कुल 2.386 हेक्टेयर) और ग्राम इमलिया नारायण स्थित गाटा संख्या 1529 (0.840 हेक्टेयर) शामिल हैं। राजस्व विभाग की टीम ने नियमानुसार कुर्की आदेश का क्रियान्वयन करते हुए भूमि को बैंक के पक्ष में सुरक्षित किया। बैंक प्रबंधन का कहना है कि यह कार्यवाही केवल वसूली की प्रक्रिया नहीं, बल्कि वित्तीय अनुशासन की पुनः स्थापना और नियमों के प्रति जवाबदेही का स्पष्ट संदेश है। आम जनता को भी इससे यह सीख मिलती है कि सरकारी ऋण का समय पर भुगतान आवश्यक है, अन्यथा कठोर कार्रवाई से बचना मुश्किल होगा।

भारतीय औद्योगिक व्यापार एसोसिएशन द्वारा महिला विकास रोजगार अमृत समागम का कार्यक्रम

वाराणसी राजेश सेठ

अंधविद्यालय परिसर दुर्गाकुंड वाराणसी में कराया गया जिसमें बड़ी संख्या में महिला ओर पुरुष ने हिस्सा लिया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीय कैबिनेट मंत्री श्रीमती बेबी रानी मौर्या जी के द्वारा एवं संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रंजीत केशरी एवं वंदना रघुवंशी अमृता श्रीवास्तव संगीता मिश्रा नंदिता चटर्जी गरिमा सिंह ,संतोषी शुक्ला एवं सोनी जायसवाल जी के द्वारा दीप प्रज्वलित करा कर कार्यक्रम का संचालन लक्ष्मी जी के द्वारा कराया गया कार्यक्रम के अंतर्गत सभी पुरुषों ,एवं महिलाओं ने संस्था मै जुड़ने हेतु सदस्यता प्राप्त कर व्यापार संबंधित लोन के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाया श्रीमान रंजीत केशरी राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने संस्था की जानकारी देते हुए सभी को संस्था के द्वारा कराई जाने वाली कार्यों से अवगत कराया ओर महिलाओं और पुरुषों एवं युवाओं को आगे बढ़ाने एवं मजबूती प्रदान करने हेतु लोन संबंधित लाभ दिलवाने का प्रण लिया

कार्यक्रम के अन्तर्गत

इस अवसर पर जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र, वाराणसी की तरफ से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना अंतर्गत जागरूकता एवं पंजीकरण कैंप का आयोजन किया गया ।इस पंजीकरण कैंप में कुल 63 आवेदकों का प्रारंभिक रजिस्ट्रेशन किया गया। इनके द्वारा विभिन्न उद्यमों का स्थापना करने में रुचि प्रदर्शित की गई। आगामी कार्य दिवस में संपूर्ण अभिलेख प्राप्त कर इनका आवेदन पूर्ण करा कर बैंकों को सारित किया जाएगा। अजय कुमार गुप्त, उपायुक्त उद्योग द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान,विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना ,एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना एक जनपद एक उत्पाद मार्जिन मनी योजना आदि के सम्बन्ध प्रस्तुतीकरण किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग, श्री प्रभात रंजन, सहायक आयुक्त उद्योग, सत्येंद्र कुमार पांडेय, सी एम युवा फेलो , आनंद राजभर सी एम युवा फेलो , श्री राजीव कुमार , डिस्ट्रिक्ट मैनेजर, यूपीकॉन,सुश्री सुरभि श्रीवास्तव, सी एम युवा कार्मिक उपस्थित रहे।ऋ साथ ही माननीय कैबिनेट मंत्री श्रीमती बेबी रानी मौर्या महिला कल्याण बाल बाल विकास मंत्री जी ने सभी को आश्वासन दिया कि जो भी योजना के अंतर्गत लोन लेना चाहता है उन सभी लोगों को लोन प्राप्त करवाया जाएगा

कार्यक्रम में सभी सदस्यों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत गणेश वंदना और योग को नृत्य के माध्यम से प्रमोट करते हुए बच्चों को पुरस्कृत किया गया साथ ही मंत्री बेबी रानी मौर्या जी को शस्त्र रूपी तलवार एवं अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम में सैकड़ों लाभार्थीयो ने मिल कर लाभ उठाया और संस्था द्वारा सम्मान प्राप्त किया ।

शुभांशु की अंतरिक्ष उड़ान, मां ने वीडियो कॉल पर खिलाया सांकेतिक पेड़ा, बोलीं आज मैं सेलिब्रेटी

लखनऊ (संवाददाता)। भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में इतिहास रच दिया है। लखनऊ के रहने वाले शुभांशु शुक्ला ने बुधवार को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की ओर उड़ान भरकर भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम में 41 साल बाद वापसी कराई।

वह अमेरिका की प्राइवेट कंपनी एक्सिओम मिशन के तहत अंतरिक्ष में गए हैं। इस मिशन में भारत के अलावा हंगरी और पोलैंड के अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं। फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर पर बुधवार को भारतीय समय के दोपहर 12 बजे दस से उल्टी गिनती शुरू हुई। धुंआ और आग उगलता 'स्पेस–एक्स का फाल्कन–9 रॉकेट अपने लक्ष्य की ओर छूटने को बेताब था। राजधानी लखनऊ के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला दोपहर ठीक 12.01 पर इस रॉकेट में सवार हो कर करोड़ों दिलों की उम्मीदें और सपने लेकर आसमान को चीरते हुए अंतरिक्ष की ओर एक्सिओम–4 मिशन पर रवाना हो गए। राजधानी लखनऊ के गौरवशाली इतिहास में बुधवार को एक नया अध्याय जुड़ गया। कानपुर रोड के सिटी मांटेसरी स्कूल में इस लॉन्चिग का लाइव प्रसारण के दौरान जैसे ही यान के सुरक्षित लॉन्चिंग की घोषणा हुई, वहां मौजूद शुभांशु की मां की आंखें डबडबा आईं।

पिता की आंखें गर्व से चमक उठीं। माहौल जश्न में बदल गया। हजारों की संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, युवा और बुजुर्ग खड़े होकर हूटिंग करते हुए तालियां बजाने लगे। हर कोई इतिहास रचने वाले इस गर्व के पल को सहेज लेना चाहता था। जोश और उत्साह और तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूंज उठा। रॉकेट की सुरक्षित लॉन्चिंग होते ही शुभांशु की मां आशा देवी की आंखें भर आईं।

सड़क हादसे में युवक की मौत

सीतापुर (संवाददाता)। इलाके के घुरेहटा गांव निवासी पंकज यादव (32) बुधवार दोपहर करीब तीन बजे बाइक पर हरा मिर्च लादकर पुलिया के बगल लगे कांटे पर बेचने जा रहे थे। सिधौली मार्ग पर मरहमतनगर के पास बनी पुलिया के निकट पंकज की बाइक को ट्रैक्टर–ट्रॉली ने टक्कर मार दी। मौके पर ही पंकज की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर–ट्रॉली छोड़कर चालक भाग गया। इंस्पेक्टर अनिल सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सिधौली मार्ग पर मरहमतनगर के पास बनी पुलिया के निकट पंकज की बाइक को ट्रैक्टर–ट्रॉली ने टक्कर मार दी। मौके पर ही पंकज की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर–ट्रॉली छोड़कर चालक भाग गया।

कहीं बरसे तो कहीं तरसा कर चले गए बादल

सीतापुर (संवाददाता)। कई दिनों से बादल बेरुखी दिखा रहे हैं। बिना बरसे इठला कर चले जाते हैं। बुधवार को सदरपुर में झमाझम बारिश हुई तो शहर समेत कई इलाकों में बूंदाबांदी व बौछारों से ही लोगों को संतोष करना पड़ा। उमस से लोग पसीना–पसीना होते रहे। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार बुधवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम अभी ऐसा ही बने रहने के आसार हैं। सुबह से पिछले दिनों की तरह ही सूरज और बादलों के बीच लुका–छिपी का खेल चल निकला। तीखी धूप निकलने के साथ उमस भी बढ़ गई जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

छह विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

हरदोई (संवाददाता)। खरीफ फसलों के लिए किसानों को उर्वरक की आवश्यकता के दृष्टिगत कृषि विभाग ने संवेदनशीलता दिखाई। उर्वरक बिक्री में मनमानी और आधो–अधूरे अभिलेखों पर जिला कृषि अधिकारी डॉ. सतीश चंद्र पाठक ने छह उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर दिए। विक्रेताओं से जवाब–तलब किए गए हैं। निजी विक्रेताओं की तरफ से उर्वरक बिक्री में की जाने वाली मनमानी पर रोक लगाने के लिए जिला कृषि अधिकारी ने टीम के साथ बिलग्राम, माधौगंज और मल्लावां क्षेत्र की 19 दुकानों का निरीक्षण किया। बताया कि मल्लावां की पीयूष खाद भंडार, माधौगंज की वन स्टॉप शॉप एग्रीजंक्शन और बिलग्राम के पाल खाद भंडार के निरीक्षण में स्टॉक और बिक्री रजिस्टर अधूरे मिले, । जबकि उर्वरक की बिक्री ई–पॉस मशीन से की जा रही है, जिससे उर्वरक की बिक्री होते ही स्टॉक ऑनलाइन कम हो जाता है। अभिलेखों को पूरा न किए जाने की गड़बड़ी की आशंका थी।

हाटन रोडध्पचपेड़वा मार्ग पर जाम लगने की स्थिति।

उतरौला बलरामपुर नगर की आबादी व घने क्षेत्रों में बड़े वाहनों के प्रवेश के चलते समय समय पर जाम की समस्या बनी रहती है। इन बड़े वाहनों के लिए शहर के मुख्य मार्ग पर प्रवेश करने के लिए कोई समय सीमा निर्धा रित न किए जाने से जाम की समस्या ज्यों की त्यों बनी रहती है।

नगर की घनी आबादी के बीच गुजरने वाली सड़क हाटन रोडध्पच पेड़वा मार्ग पर बड़े वाहनों के आवागमन की कोई समय सारणी तय नहीं की गई है और न तो नगर के बाशिंदों को जाम की समस्या से निजात मिल पाना भी बड़ी मुश्किल हो गया है। यही हालध् श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौराहे की है, कि दिन में कई बार जाम की समस्या से लोगों को जूझना पड़ता है। हालांकि नगर पालि का प्रशासन ने इस पर गम्भीर समस्या कोलेकर प्रशानिक अधिकारियों के साथ बैठक कर इस गम्भीर समस्या का हल करने का प्रयास किया। परन्तु किन्हीं कारण वश उनकी यह प्रयास सफल नहीं हो सका है। और नगर वासियों को राजकीय बालिका इन्टर कॉलेज व हाटन रोड पर नगर वासियों नेउतरौला पचपेड़वा मार्ग परआवा गमन सुलभ करने की मांग की है।

उपभोक्ता की दुनिया
साध्य हिन्दी दैनिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शारदा प्रसाद पाठक द्वारा शंकर प्रिंटिंग प्रेस निकट भरत मिलाप चौराहा, नई बाजार भिनगा से मुद्रित तथा ग्राम हब्नामार पोस्ट गिलौला जनपद श्रावस्ती उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक
भगवान दीन पाठक
मो0– 91 94504 54367, 91 96530 13722
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र श्रावस्ती होगा।